

संक्षिप्त समाचार

शक्तिशाली भूकंप से
16 की मौत, 54
घायल, 300 से
अधिक घर ढहे

उत्तरी तिब्बत में आए एक हिमशाली भूकंप के कारण कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग घायल हुए हैं। 300 से अधिक घर ढह गए हैं, जिसके बाद बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिए गए हैं। नेपाल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से 173 किलोमीटर की गहराई में था। अल्हाहा किसी बड़े नुकसान की तत्काल खबर नहीं है। तिब्बत में भारतीय समयानुसार रात लगभग 8:03 बजे 7.0 की गहराता का भूकंप आया। इससे आता में इसका केंद्र 173 किमी अंदर बताया जा रहा था। केंद्र के हाल में आई जानकारी के मुताबिक इसका केंद्र जमीन से केवल 10 किमी की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र 173 किमी की गहराई पर था। इसका केंद्र जमीन से 10 किमी अंदर बताया जा रहा है। यह वही जगह है, जहां से ग्लेशियर टूटने के बाद तिब्बत और नेपाल में भीषण बाढ़ आई थी। इस भूकंप में हजारों लोगों की जान ली गई थी।

खराब सड़क के कारण
यात्री बस बिजली खंभे
से जा टकराई, दो
यात्री की मौत

बेमेतरा। बेमेतरा से बड़ी दर्दनाक खबर सामने आई है। नान्दघाटा क्षेत्र का कुरा गाँव में रायपुर से मुंगेला जा रही एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। इसमें सवार दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक टक्कर इतनी बुरावस्था थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना के बाद सड़क की बहाल स्थिति और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बस में सवार यात्रियों के मुताबिक आरबीएस की निजी यात्री बस रायपुर से नान्दघाटा होते हुए मुंगेला के लिए रवाना हुई थी। बस जब कुरा गाँव के पास पहुँची, तब सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण चालक वाहन को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा रहा था। इसी दौरान बस के पहिए सड़क के एक बड़े गड्ढे में उतर गए। इससे चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और बस सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर के कारण बस का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रक में पीछे से घुसी कार, दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

महासमुद्र। शादी समारोह से लौट रहे लोगों का एक नेशनल हाईवे-53 पर 16 कक्कड़ में पीले से जा घुसी। भीषण ठ्ठकर में दो महिलाओं की मौक़े पर मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मृतकों की पहचान का ज़रूरी है। छत्तीसगढ़ के महासमुद्र ज़िले में नेशनल हाईवे-53 पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं की जान चली गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुरिया दरबार में राष्ट्रपति ने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था की सराहना की।

बस्तर दशहरा के साथ मुरिया दरबार में शामिल हुई राष्ट्रपति
कहा- मेरे दादा और पिता मांझी थे, मैं मांझी की बेटी हूं...

- नवसलवाद जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए समाज को एकजुट होने का किया आह्वान
- आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अवसर पर आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुरासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियाँ और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूँ।



मुरिया दरबार की परंपरा को जीवित रखने का किया आह्वान

राष्ट्रपति ने मुरिया दरबार जैसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को पकवान उसकी संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक मूल्यों से लेती है। वहां इन परंपराओं का ज़ख़्ब सतह की अभिवृत्ति में ही अचूक न हो, समाज के लोगों को अपनी सामाजिक संस्थाओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था में आरपी भाईराव, प्रेम, समझ, सामूहिक जायज और सुशसन में भगवाना निहित है। उन्होंने को बनाए रखना वर्तमान और भावी पीढ़ियों को समाजिक हिम्मतवादी है। अपने संबंध में मैंने अब राष्ट्रपति श्रीमती दौड़ी मूल्य में बस्तर के आदिवासी समाज से मिले स्नेह, सम्मान और आत्मीय स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप सभी में ही और आदर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति आपका समर्पण परमश्रद्धावक है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती दौड़ी मूल्य राज्यपाल श्री रमेश ठेकड़ और मुख्यमंत्री श्री विष्णु वेद शाय को समीति कवि बंद किया था। इस गौरवमयी अवसर पर बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष व सांख्य श्री मंडरा कश्यप, आयुधश्री श्री बलराम मांडवी, परंपरागत के मांडवी श्री अजुन मांडवी, स्त्रीराष्ट्र के मांडवी श्री राशिभूषण मांडवी और किलेपालन के श्री गंगाधर मांडवी ने भी अपने पितावर व्यक्त कर बस्तर दशहरा पर्व के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति के प्रति खूबसूरत प्रार्थना किया।

उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूँ। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूँ, गाँव के मुखिया की बेटी हूँ। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि देश में पहले राजाओं का शासन था, इसके बाद अंग्रेजों का शासन आया और आज भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है। समय के साथ शासन व्यवस्था और कानूनों में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आदिवासी समाज की अपनी पारंपरिक व्यवस्था आज भी विद्यमान है जो किसी पुस्तक में नहीं लिखा गया है, लेकिन समाज

के लोग पीढ़ियों से इसका पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में, लोग मिल-जुलकर पूजा-अर्चना करते हैं, विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं तथा सामूहिक रूप से पर्व-त्यौहार मनाते हैं। नृत्य, गीत-संगीत और सामूहिक उत्सवों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं—उन्होंने इस समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने के लिए समाज के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्पट्टि ने कहा कि संस्कृति, परंपरा, संविधान और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल उद्देश्य समाज में सुख-शांति, आनंद और प्रेम बनाए रखना है। इस दृष्टि से आदिवासी समाज की परंपरिक व्यवस्था अत्यंत सुंदर और उत्कृष्ट है। राष्पट्टि श्रीमती मुर्मु ने आदिवासी समाज की परंपरिक न्याय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में मांझी और अन्य परंपरिक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। परंपराओं के बीच विवाद, जमीन-जायदाद से संबंधित समस्याएं अथवा आपसी मतभेद होने पर लोग मांझी के पास जाते हैं। मांझी गांव के लोगों को एकत्रित कर सभी पक्षों की बात सुनते हैं और आपसी सहमति से समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में गांव के प्रमुख व्यक्तियों और बुजुर्गों की सहभागिता से सामूहिक निर्णय लेने की समृद्ध परंपरा रही है। इस व्यवस्था में पीढ़ी परगना और देश परगना जैसी परंपरिक संस्थाओं का भी विशेष महत्व रहा है। गांव स्तर पर समाधान नहीं होने पर समस्याओं को पीढ़ी परगना और आवश्यकता पड़ने पर देश परगना के समक्ष रखा जाता था। राष्पट्टि श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि पहले लगभग 50 से 52 गांवों को मिलाकर एक पीढ़ी की व्यवस्था हुआ करती थी। बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए समाज के लोग कई दिनों तक सामूहिक बैठकें करते थे।

मुंढवा जमीन घोटेला मामले में

उपमुख्यमंत्री के दो ओएसडी को ईओडब्ल्यू ने थमाया गया नोटिस

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र के बहुवर्चित और करोड़ों रुपये के मुँहवा जमीन छोड़ना मामले में राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। इस हाथ-प्रोपहाज मामले में जॉन कर रही पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के दो बेहद करीबी ओएसडी विकास पाटिल और राम चौबे को नॉटिस जारी कर दिया है। विकास पाटिल और राम चौबे दोनों ही वरिष्ठ शासकीय अधिकारी हैं, जो



वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सुनेत्र पवार के ओएसडी के रूप में कार्यरत हैं। जब मुंदवा जमीन सौदे का यह विवाद पहली बार सामने आया था, तब ये दोनों अधिकारी तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के पीए के रूप में तैनात थे।

इओडब्ल्यू को आशंका है कि मुंबना स्थित 40 एकड़ जमीन के सौदे में इन दोनों अधिकारियों ने प्रशासनिक स्तर पर मध्यस्थता की, सबूतों के साथ छेड़छाड़ की और आरोपियों को मदद पहुंचाई। सामाजिक कार्यकर्ताओं अंजली दामाजी और विजय कुंभार ने पहले ही आरोप लगाया था कि इन अधिकारियों ने पार्थ पवार को बचाने और प्रशासनिक स्तर पर सहायता देने के लिए मध्यस्थता की थी। जान एर्जेंसियों के हाथ इन दोनों अधिकारियों की संदिग्ध ब्लाडसप नैटिंग और दस्तावेज ले रहे हैं।

भाजपा नेता को कारण
बताओ नोटिस,अश्लील
वीडियो वायरल होने के
बाद का एक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जरापुर राजपा के मंडल उपध्यक्ष जगेश यादव के खिलाफ पार्टी ने गणतान्त्रिक कार्रवाई शुरू कर दी। खबर है कि सोशल मीडिया पर एक डॉसर के साथ अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मंडल अध्यक्ष प्रतीक प्रकाश सिंह का कर्ण अंगी नोटिस जारी किया है। नोटिस में तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं दीने भी निर्धारित समय में जवाब नहीं देते पर एकतरफा कार्रवाई की जातानी है। हालांकि, जगेश यादव ने वायरल वीडियो को फर्जी बताते हुए इसे गार्डिंशियल इंटेलिजेंस से जांच कर एक जाने का दावा किया है।

बिलासपुर में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत बोले

**पहले विरोध फिर जय जयकार
लेकिन आप सावधान रहें-मोहन**

नई दिल्ली/ एजेंसी



देकर सघ और स्वयंसेवकों के रिश्ते को समझाया। उन्होंने कहा कि हर स्वयंसेवक संगठन का पहचान और ताकत का मुख्य हिस्सा है। संघ प्रमुख ने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य किसी के खिलाफ घुषणा फैलाना नहीं है। संघ

प्रेम और सामाजिक सद्भाव के आधार पर समाज को जोड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के मजसद राजनीति साधना नहीं बल्कि समस्याओं का समाधान होना चाहिए। सभी का हमेशा संवैधानिक दायरे में ही किए जाने चाहिए। बौद्धिक वर्ग से पहले हुई बैठक में संसत् के कार्य की समीक्षा की गई। पिछले एक साल में देश भर में हजारों नई शाखाएँ शुरू हुई हैं। संघ मुख के शाखाओं के साथ संपर्क अभियान जारी रखने पर जोर दिया। इस दौरान संपत् के तीन आधार शाखा, कुटुंब और अस्पताल को मजबूत बनाने की बात कही गई।

7 साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या!

पुलिस ने आरोपी का निकाला जुलूस, आक्रोशित लोगों ने की फांसी की मांग

कोरबा । संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के रजगामार में 7 साल की मासूम बच्ची से रेप के बाद हत्या की आशंका के मामले में पुलिस ने आरोपी अमित चौहान को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि जब बच्ची दुकान से सामान लेने गई हुई थी, इसी दौरान सामान लेकर घर आते वक्त आरोपी उसे अपने साथ ले गया और मासूम के साथ दरिंदगी की। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने शुक्रवार को रजगामार चौकी के सामने प्रदर्शन कर आरोपी को फंसी देने की मांग की। वहीं पुलिस ने आरोपी का अर्धमंडन कर क्षेत्र में जुलूस निकाला। जानकारी के अनुसार, 7 वर्षीय मृत बच्ची का पीछित परिवार मूल रूप से सूत की क्रीड़ा करने वाला है। परिवार करीब चार महीने पहले

अपने चार बच्चों के साथ मजदूरी करने के लिए रजगाम आया था। इसी बीच 19 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे बच्ची घर के पास स्थित शराब दुकान से घरेलू उपयोग का सामान लेने के लिए निकली थी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवारों को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने बच्ची की तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। बच्ची के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस को थाना क्षेत्र की रजगामार चौकी पुलिस ने तलाश शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और डॉग स्कायड की मदद से भी खोजबीन की। करीब तीन दिन बाद गुरुवार को बच्ची का शव किरम पोल्ट्री फार्म के पीछे झाड़ियों में मिला। शव मिलने के बा



क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शुरुआती जांच में पुलिस ने हत्या की आशंका जताई थी। मामले में अनाचार की आशंका के पहलू से भी जांच की जा रही है। वहीं मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी अमित चौहान को गिरफ्तार किया, जो बालको क्षेत्र का रहने वाला है। इस बीच



आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना पर शुक्रवार सुबह आक्रोशित लोगों की भीड़ रजगामार चौकी के सामने जमा हो गई। लोगों ने चौकी के सामने बैठकर नारेबाजी की और आरोपी को फंसी देने की मांग की। इधर आरोपी का अर्धमंडन कर सड़क पर जलस निकाली। पुलिस

का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से अपराधियों में खौफ पैदा होगा। स्थानीय लोगों में पुलिस की इस कार्रवाई का समर्थन किया है। मासूम की हत्या बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। लोग आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। इन्फर कोरवा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि टेक्निकल, ह्यूमन इंटीलिजेंस और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपी अमित चौहान को गिरफ्तार किया गया है, जो उसी एरिया का रहने वाला है। आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 302 और पाब्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने पर अन्य धाराएं जोड़ी जाएंगी। पुलिस जेड साईटिफिक एक्विडेंट के साथ चालान पत्र कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में कठोरतम सजा दिलाने की तैयारी में है।

रेप और हत्या के बाद मौके से हो गया था फरार

पुलिस अधिकारक के मुताबिक, आरोप है कि चीलन ने पीड़िता को अकेले देखा और फिर उसको साथ री को अंडमान द्वीप के बाद हत्या कर दी। आरोप है कि आरोपि हत्या करने के बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया है कि आरोपी ने अपना जुर्म खुल कर लिया है और मामले में आगे की जांच जारी है। पीता की निष्पत्तियां पर पुलिस ने तत्काल अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि मुलाखत सुबह पौटोई के घेरे पीछे झालियों में एक घर के मिलने की जानकारी मिली। वृत्त पुलिसकर्मियों और आरोपि ऑग स्काउट्स को भी बुलिया गया। पुलिस के खोजी करने की मदद से आरोपी का पता चल गया। खोजी करने में तत्कालीन पर राणातल्ल इल्लके में आरोपी के घर का पता लगाया। आरोपी की पहचान बांगो बाना बसे देमोता पता पर हाइको के रहने वाले अजय उज्ज्वलमित कोलन के रूप में हुई है।

स्वदेशी जागरण मंच के अंतर्गत 9 विभाग स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय

भिलाई/ स्वदेशी जागरण मंच के विभिन्न विभाग राष्ट्रहित, स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रहे हैं। इन विभागों के माध्यम से भारतीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने, युवाओं एवं उद्यमियों को जागरूक करने तथा देश की आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय सह संगठक श्री सतीश कुमार जी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वदेशी जागरण मंच का मूल उद्देश्य है स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, भारतीय उद्योगों एवं व्यापारियों को प्रोत्साहित करना और देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए मंच के अंतर्गत

स्वदेशी व्यापार मंच व्यापारियों के हित व व्यापार के हित के लिए सक्रिय है और इसी कड़ी में पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए अजय भसीन को स्वदेशी व्यापारी मंच का प्रदेश संगठक व गार्गी शंकर मिश्रा जी को सह संगठक का दायित्व सौंपा जा रहा है।

साथ ही 21 सदस्यों की एक टीम की घोषणा भी की गई।

प्रदेश के 21 ऐसे व्यापारियों का सम्मान किया गया जिन्होंने संघर्ष से सफलता के उच्च शिखर पर आज अपना परचम लहराया है।

शिक्षा जगत से श्री आई पी मिश्रा व संतोष रंगटा जी, उद्योग से सुंदर बंसल जी, दिनकर बासोटीया जी, सुरेश जैन जी, निलादी शाह जी, अजीत सिंह जी, संतोष



अग्रवाल जी व अन्य क्षेत्रों से कैलाश बत्रा जी, सुनील बालानी जी, महेश दरयानी जी, विकी लोहानी जी, अनिल शर्मा जी, सुनील मध्यानी जी, कांतिलाल बोथरा जी, प्रकाश सांखला जी, जितेंद्र नाहर जी, सुभाष अग्रवाल जी, श्रीचंद बत्रा जी व सी ए प्रदीप पाल जी को छत्तीसगढ़ व्यापार रत्न से सम्मानित किया गया।

मंच के नौ विभाग एवं उनके प्रमुख कार्य स्वदेशी व्यापारी मंच व्यापारियों को स्वदेशी विचारधारा से जोड़ना, स्थानीय बाजारों को

प्रोत्साहित करना, भारतीय उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाना तथा व्यापारियों की समस्याओं को सामने लाकर उनके समाधान की दिशा में प्रयास करना।

Young Generation Bharat युवाओं के नेतृत्व में चलने वाला एक राष्ट्र-निर्माण आंदोलन स्वदेशी वित्त सलाहकार परिषद स्वदेशी वित्त सलाहकार परिषद देश के वित्त पेशेवरों चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, और वित्तीय सलाहकारों को एक मंच पर लाता है।

भारत ग्लोबल इंडस्ट्रीज फोरम भारतीय उद्योग, तकनीकी क्षमता, औद्योगिक नवाचार और स्वदेशी तकनीक को प्रोत्साहित करना। स्वदेशी उत्पाद प्रमाणीकरण परिषद स्वदेशी उत्पादों को प्रमाणित करता है।

मंच का संदेश है कि स्वदेशी केवल वस्तुओं की खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के श्रमिकों, कारीगरों, किसानों, व्यापारियों और उद्यमियों के परिश्रम का सम्मान करने तथा भारत की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाने का संकल्प है।

सहकार भारतीय सहकारिता के माध्यम से समाज के आर्थिक सशक्तीकरण, छोटे व्यापारियों, उत्पादकों एवं उद्यमियों को संगठित करने तथा सहयोग आधारित आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य करना। स्वदेशी मेला स्वदेशी उत्पादों, हस्तशिल्प, कुटीर उद्योगों, लघु उद्योगों और स्थानीय उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराना। उपभोक्ताओं को भारतीय उत्पादों से परिचित कराना और स्थानीय व्यापार को नई पहचान दिलाना। भारत ग्लोबल इंडस्ट्रीज फोरम भारतीय उद्योग, तकनीकी क्षमता, औद्योगिक नवाचार और स्वदेशी तकनीक को प्रोत्साहित करना। तकनीकी विशेषज्ञों एवं उद्योग जगत के बीच समन्वय स्थापित कर भारत की औद्योगिक क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में कार्य करना।

सम्पूर्ण कार्यक्रम होटल अमित पार्क में सम्पन्न हुआ। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना जन सम्पर्क अधिकारी शंकर सचदेव व निरंकरा सिंह ने दी।

प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की बहनों ने भटगांव में की माँ दुर्गा की जीवनी प्रदर्शनी



भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के वार्ड क्रमांक 01 में नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की बहनों द्वारा माँ दुर्गा की जीवनी पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा माँ दुर्गा के जीवत स्वरूपों की झांकी प्रस्तुत की गई। लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती के रूप में सजी बच्चियों ने मंच पर मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रजा

इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं युवा पत्रकार के. पी. पटेल, पत्रकार योगेश केशरवानी, डॉक्टर आदित्य एवं संस्थान के बहनों ने अपने कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ किया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति के प्रतीक माँ दुर्गा के आदर्शों और उनके 9 रूपों की महिमा को जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वार्डवासी और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्रि पर श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगांव में 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन एवं पूर्णाहुति सम्पन्न

- मुंडन संस्कार के साथ विभिन्न संस्कार निःशुल्क कराये गए
- सैकड़ों गायत्री परिजन एवं श्रद्धालूगण कार्यक्रम में हुए शामिल
- जिला सदस्य डॉ दिनेश लाल जांगड़े कार्यक्रम में हुए शामिल
- सभी श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद की व्यवस्था..



भटगांव। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ भटगांव में 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन और पूर्णाहुति सम्पन्न हुई। 19 दिवसीय साधना को यज्ञ भगवान व गायत्री माला को आहुति प्रदान करते हुए पूर्णाहुति के साथ समापन किया गया। सुबह से ही गायत्री पीठ में मां

गायत्री की पूजा-अर्चना और आरती की गई। यज्ञ के साथ-साथ मुंडन संस्कार सहित विभिन्न संस्कार निःशुल्क कराए गए, वहीं इस कार्यक्रम में जिला सदस्य डॉ. दिनेश लाल जांगड़े विशेष रूप से शामिल हुए। सभी सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। पूरे भटगांव में इस यज्ञ को

लेकर भक्ति का माहौल बना रहा, वहीं कार्यक्रम के पश्चात युग सन्देश एवं 25 अक्टूबर को होने वाले विभिन्न कार्यक्रम का आमंत्रण दिया गया जो प्रज्ञा पीठ परिसर में ही सम्पन्न होगी जिसके लिए महिला संगठन व युवा संगठन ने सभी स्कूलों एवं वार्डों में प्रचार प्रसार कर तैयारी पूर्ण कर ली है।

जवाहर नगर में धूमधाम से मना दशहरा उत्सव महापौर की उपस्थिति में रावण के पुतले का दहन

- पटरी पार क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देने पर नागरिकों ने महापौर का जताया आभार, समाजसेवियों द्वारा चांदी की गदा भेंटकर किया सम्मानित



दुर्ग। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व बुधवार को जागृति पटरीपार रावण दहन समिति द्वारा वार्ड क्रमांक 18 स्थित जवाहर नगर खेल मैदान में झोंझूस एवं उत्साह के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और बुराईयों के अंत का संदेश देने वाले

इस दशहरा उत्सव में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। उत्सव के दौरान रावण के पुतले का दहन किया गया। इससे पहले रामलीला का मंचन हुआ, वहीं आकर्षक आतिशबाजी ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षता महापौर अलका बाघमार रही। इस अवसर पर वार्ड पार्षद एवं लोक कर्म प्रभारी देवनारायण

चन्द्राकर, विद्यावती सिंह, सावित्री दमाहे, सुरुचि उमरे, रंजीता पाटिल, युवराज कुंजम, मनमोहन शर्मा, चतुर्भुज राठी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक एवं उत्सव समिति के सदस्य उपस्थित रहे। दशहरा उत्सव को लेकर नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पटरी पार सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित कार्यक्रम देखने पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान वार्ड के वरिष्ठ जनों व सभी समाज सेवियों एवं उत्सव समिति की ओर से महापौर अलका बाघमार को चांदी

सागर स्कूल भटगांव में नवरात्रि अष्टमी पर भव्य गरबा उत्सव



भटगांव। सागर उच्चतर माध्यमिक स्कूल भटगांव में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर भव्य गरबा का आयोजन किया गया। जहाँ स्कूल प्रांगण में पंडाल सजाया गया था। बच्चों, स्टाफ, पालकों और अतिथियों ने एक साथ गरबा-झोंडिया की प्रस्तुति दी। गरबा झोंडिया की शुरुवात प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं पत्रकार के. पी. पटेल, स्कूल डायरेक्टर दीपक डडसेना एवं अन्य अतिथि के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम के शुरुवात में स्कूल के प्रिंसिपल प्रेम कुमार साहू ने अपने धर्म पत्नी के साथ झोंडिया किया

तत्पश्चात पार्षद रेणुका सोनी एवं अन्य अतिथियों ने भी गरबा झोंडिया कर कार्यक्रम का शोभा बढ़ाया। वहीं कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पार्षद रेणु मुकुंश सोनी प्रमाण पत्र एवं 5000 का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। स्कूल फे डायरेक्टर ने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि पर बच्चों में संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल डायरेक्टर, प्रिंसिपल एवं पूरे स्टाफसहित बच्चों का विशेष सहयोग रहा।

सुपेला गदा चौक शराब भट्टी हटाने की मांग को लेकर जनहित संघर्ष समिति ने नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा

भिलाई। जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी के नेतृत्व में आज भिलाई नगर निगम कमिश्नर शरुति सिंह को सुपेला गदा चौक स्थित शराब दुकान हटाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। कमिश्नर महोदया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि शराब दुकान हटाने की प्रक्रिया जारी है और शीघ्र ही इसे हटाया जाएगा। इस आश्वासन पर जनहित संघर्ष समिति ने कमिश्नर महोदया का आभार व्यक्त किया।



विदित हो कि इस शराब दुकान को हटाने के लिए विगत 5 वर्षों से मदन सेन, पारस जंघेल शारदा गुप्ता के नेतृत्व में लगातार आंदोलन किया जा रहा था। जिसमें मुख्यमंत्री आवास घेराव, धरना-प्रदर्शन, मशाल जुलूस जैसे कार्यक्रमों में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया था।

सुपेला गदा चौक देशी शराब दुकान हटाने के लिए युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष मदन सेन के नेतृत्व में लगातार धरना दिया गया मदन सेन ने कहा कि इतने लंबे समय से शराब दुकान हटाए जाने की मांग जनता द्वारा

की जा रही है जिसके परिणाम स्वरूप अंग्रेजी शराब दुकान को हटाय गया मगर देशी शराब दुकान को न हटाए जाने से आम जनमानस में आक्रोश है। युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष मदन सेन शारदा गुप्ता पारस जंघेल ने कहा कि शराब दुकान ऐसे जगह स्थानांतरित की जाए जहाँ किसी भी आम लोगों को तकलीफ का सामना ना करना पड़े। संयोजक शारदा गुप्ता ने कहा कि हम सभी आंदोलन करते-करते आम जनमानस में निराशा की भावना पैदा हो चुकी है समिति से जुड़े लोगों आम जनमानस से आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है जिसे बहुत लंबे

समय तक बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अध्यक्ष मदन सेन ने कहा अभी तक हमने मशाल जुलूस धरना प्रदर्शन एवं मुख्यमंत्री आवास का घेराव हेतु पदयात्रा तक की जा चुकी है जहाँ हम सभी को निरंतरता कर जेल भेजने की तैयारी भी की जा चुकी थी। इसके बावजूद लगातार केवल आश्वासन ही मिलता है हम 2021 से शराब दुकान हटाने के लिए निरंतर ज्ञापन आंदोलन कर रहे हैं पहले सुपेला शराब दुकान हटाने 4000 लोगों ने हस्ताक्षर किया था जिसमें लोगों ने स्वयं आगे होकर पंडाल में आकर हस्ताक्षर कर शराब दुकान हटाने की मांग की थी। अध्यक्ष मदन सेन ने मांग की है कि जब क्षेत्र की समस्त डेरियो को इकट्ठा कर गोकुलधाम बनाया जा सकता है इसी तर्ज पर सभी शराब दुकानों को एक जगह इकट्ठा कर भूतपारा बनाया जाए जहाँ समस्त सुविधाएँ पीने वालों को दी जाए जिससे हर जगह शांति व्याप्त हो सके। एराबी वही पिए हैं और वही सोएँ। मुख्य चौहारे पर शराब दुकान होने के कारण अवस्थाओं का अंबार है। सुपेला के निवासी जो उक्त शराब

दुकान के आसपास में निवासरत है और व्यापारी गण कई बार शिकायत कर चुके हैं सुपेला चौक से गदा चौक जाने वाला सबसे व्यस्त मार्ग है यह सड़क मुख्य मार्ग होने के कारण कोहका स्मृति नगर शांति नगर वैशाली नगर के हजारों लोगों को आवागमन निरंतर इस मार्ग से होता है इसके अलावा क्षेत्र से अनेक कॉलेज हॉस्पिटल छात्र-छात्राओं का आना-जाना निरंतर लगा रहता है इस रोड पर आए दिन निरंतर दुर्घटना होती रहती है स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे इस रूट से आवागमन करते हैं और हमेशा अप्रिय स्थिति का सामना करते हैं शराबी शराब पीकर गाली गलौज करते हैं रोड पर ही शराब पीकर शराब के डिस्पोजल फेंक देते हैं यहां से एंबुलेंस फफ्रिज फ्रिज के का निकलना विपरीत परिस्थितियों में मुश्किल होगा शराब दुकान के आसपास सड़क तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है यहां पर आने वाली महिलाएँ एवं बच्चे इस रोड से आना आने जाने में शर्मिंदगी महसूस करते हैं अगर निकट भविष्य में प्रशासन इस शराब दुकान को नहीं हटाता तो इसके लिए

एक बड़ा जन आंदोलन फिर खड़ा किया जाएगा। युवा शक्ति संगठन ने शीघ्र से शीघ्र शराब दुकान हटाने की मांग की है मांग करने वाले में प्रमुख रूप से अध्यक्ष मदन सेन शारदा गुप्ता, पारस जंघेल जुनेब खान, पूर्व पार्षद राजेश प्रधान पूर्व पार्षद दीपक भोंडकर अमिताभ भट्टाचार्य नीशु पांडे बंटी नाहर सुनील शर्मा भारती बेन प्रिंकू तिवारी, प्रदीप पांडे धनेश्वर चौहान, टिंकू प्रशांत क्षीरसागर मणि वर्मा, रमेश देशमुख अजय प्रसाद नारायण सोनी जहाँगीर हुसैन योगेश यादव श्रेयांश साहू मुकेश नेताम नाला रावण का वध तांडी गंगा प्रसाद मंडवारी चंशराज चौधरी दिनेश चंद सुंदर जायसवाल मूलचंद जायसवाल भीमसेन राय लोकेश चंखेर टिकेकर साहू रूपलाल वर्मा गंगाबाई मालती रेशम लता साहू कौशलया कविता मेथ्राम इंदु मेथ्राम सेवती देवी है आज ज्ञापन सौंपने वालों में जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी, बंटी नाहर राजेश केसरवानी, विनोद उपाध्याय, निशु पांडे सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा रहे मुख्य अतिथि

कृष्णा विहार कॉलोनी में प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

- कृष्णा दुर्गा उत्सव समिति के आयोजन में प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन, कुर्सी दौड़ सहित अनेक प्रतियोगिताओं ने बढ़ाया उत्साह; सेवा जसगीत मंडली के प्रदीप दुबे एवं उनके साथियों का भी हुआ सम्मान



बेमेतरा। कृष्णा विहार कॉलोनी में कृष्णा दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके साथ ही कुर्सी दौड़ सहित अनेक मनोरंजक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों

का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को सम्मानित करना, युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को मजबूत करना

रहा। प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर बच्चों एवं प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतिभाओं का सम्मान, समाजसेवियों को मिला प्रोत्साहन-

समारोह के दौरान सेवा जसगीत का प्रतिदिन गायन कर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने वाले प्रदीप दुबे एवं उनके साथियों का भी सम्मान किया गया। उनके द्वारा निरंतर की जा रही धार्मिक सेवा और जसगीत के माध्यम से जनमानस में भक्ति एवं आस्था का भाव जागृत करने के प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने प्रतिभावान विद्यार्थियों और जसगीत मंडली के सदस्यों को सम्मानित करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश और समाज का भविष्य हैं। उनकी

प्रतिभा को पहचानना, उन्हें प्रोत्साहित करना और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। सम्मान से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को सहेजने के साथ-साथ समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और समाज में आपसी सहयोग, सद्भाव एवं भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

- फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर को

कांकर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के संबंध में कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 गुरुवार तथा अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 सोमवार को किया जाएगा। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण 02 नवम्बर 2026 तक, प्रारंभिक प्रकाशन की तिथि 12 नवम्बर 2026 दिन गुरुवार, दावे-आपत्ति प्राप्त करने की

तिथि 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2026 तक एवं दावे आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर 2026 सोमवार तथा फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 सोमवार को किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी युवा पत्र मतदाता तथा वृद्ध हुए मतदाता संबंधित मतदान केंद्र के बृथ लेवल अधिकारी के माध्यम अथवा के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जोड़वा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन तथा विलोपन करने के संबंध में समय-सीमा में सभी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार बस
ने स्कूटी सवार दो
युवकों की ली जान

रायपुर। जिले के करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नोनबिरी में मंगलवार शाम सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार बस ने स्कूटी सवार दो युवकों को मंगलवार शाम करीब 5 बजे चपेट में ले लिया। दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान नोनबिरी के बनियापारा निवासी शुभम गुप्ता 23 वर्ष और यशवंत गुप्ता 26 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों आपस में मित्र थे। घटना के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से पसार हो गया। घटना से क्षेत्र में आक्रोश मिश्रित शोक की लहर दौड़ पड़ी मृतकों के परिवार में दशहरे की खुशियां मातम में बदल चुकी है। हादसे की सूचना बाद मौके पर पहुंची करतला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटनाकारित बस और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

चलती ऑटो में
महिला के थैला काट
कर 45 हजार पार

रायपुर। बैंक से समूह के खाते में जमा रकम निकालकर घर लौट रही महिला के 45 हजार रुपये चलती ऑटो में चोरी हो गए। महिला को संदेह है कि ऑटो में सवार तीन अज्ञात महिलाओं ने उसके थैले को काटकर रकम पार की है। मामले में कोतवाली पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार, रामसागर पारा निवासी महिला घरों में खाना बनाने का काम करती है। वह टीपी नगर स्थित जना बैंक से अपने समूह के खाते से 45 हजार रुपये निकालकर थैले में रखी थी। इसके बाद ऑटो में बैठकर घर लौट रही थी। ऑटो में पहले से एक महिला, एक बच्चा और एक व्यक्ति सवार थे। इसी दौरान टीपी नगर चैक पर तीन अज्ञात महिलाएं भी ऑटो में बैठ गईं। महिला के मुताबिक, इनमें एक मोटी और 2 दुबली-पतली महिलाएं थीं। दोनों दुबली-पतली महिलाएं उसके बगल में बैठीं, जबकि मोटी महिला सामने बैठी थी। तीनों दूसरी भाषा में बातचीत कर रही थीं और बाहर की रहने वाली प्रतीत हो रही थीं। महिला रेलवे फ्रंटक ओवरब्रिज के नीचे ऑटो से उतरी। यहां मोबाइल देखने के लिए जब उसने थैले में हाथ डाला, तो बैंक से निकाले गए 45 हजार रुपये गायब मिले। थैले का एक हिस्सा भी कटा हुआ था। महिला ने आरोपका जवाई कि ऑटो में सवार तीनों अज्ञात महिलाओं ने ही थैला काटकर रकम चोरी की है। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरप्राइज चेकिंग में
पकड़ा गया मकान में
चोरी का आरोपी

रायपुर। सरकंडा पुलिस ने बंद मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 70 हजार रुपये का सामान चोरी करने के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया शत-प्रतिशत सामान बरामद किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, बालाजी पुरम कॉलोनी निवासी प्रशांत वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भाई विकास वर्मा के बंद मकान का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने सोने-चांदी के जेवरात, कैमरा, हेयर ड्रायर और नकदी समेत करीब 70 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया है। घटना के समय विकास वर्मा काम के हिसाबसे मिले में पुणे गए हुए थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

पुराने निर्माण कार्यों को दिसम्बर तक पूर्ण करने के लिए निर्देश-बंसल

■ बारिश में रुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा कार्यों में तेजी लाने कहा

■ दीवाली के पहले सभी श्रमिकों के मजदूरी भुगतान के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज राजनांदगांव में लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजनांदगांव जिले में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं लंबित सड़कों, पुल-पुलियों तथा भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पुराने एवं लंबित निर्माण कार्यों को आगामी दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण

करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के कारण रुके निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने गुणवत्ताहीन एवं समय-सीमा में कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों को नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। राजनांदगांव के कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भगतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। श्री बंसल ने सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों के कार्यों



को प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही तकनीकी एवं प्रशासकीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण

स्थलों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्यों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए। श्री बंसल ने भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों के कार्यों

में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। लोक निर्माण

विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों को दीपावली त्यौहार से पहले मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान समय पर होना चाहिए तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने बैठक में कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्य नागरिकों की सुविधाओं एवं क्षेत्र के विकास से सीधे जुड़े हुए हैं। इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में रात का तापमान लुढ़कना शुरू

■ जाने अगले 5 दिनों तक कैसा रहेगा मौसम अब धीरे-धीरे ठंड दस्तक देने

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मौसम में बदलाव का दौर जारी है। अब धीरे-धीरे ठंड दस्तक देने लगी है। न्यूनतम तापमान में कमी आने का सिलसिला शुरू हो गया है। द्रोणिका का प्रभाव खत्म होने की वजह से आसमान साफ होने लगा है। इसके प्रभाव से रात का मौसम बदले लगा है। जगदलपुर छोड़कर शेष इलाकों में तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे में बिलासपुर में चार डिग्री तो राजधानी में 2 डिग्री सेल्सियस तक न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों

तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। बताया गया कि न्यूनतम तापमान में अगले 2 दिनों तक कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं। इसके बाद 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। राजधानी रायपुर में आज मौसम विभाग के मुताबिक मौसम साफ रहने की संभावना है। दिन के वक गर्मी का असर हो सकता है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। बीते कुछ दिनों से रायपुर लगातार प्रदेश में सबसे गर्म शहर बना हुआ है। मंगलवार को यहां सबसे अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहा।

मतदाता सूची में नाम काटने के आरोपों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और वोट के अधिकार को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भाजपा के अभियान पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया में गरीबों, मजदूरों, किसानों और आदिवासी समुदाय के मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा के कार्यक्रम को लेकर तंज कसते हुए कहा कि वोट



बचाओ लोकतंत्र अभियान के जवाब में भाजपा का अभियान वास्तविक सवालों से ध्यान हटाने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इस प्रक्रिया की निष्पक्षता की जांच होनी चाहिए। सुशील आनंद शुक्ला के अनुसार, छत्तीसगढ़ में करीब छह लाख मतदाताओं को

मृत और 19 लाख से अधिक मतदाताओं को स्थानांतरित बताकर सूची से हटाए जाने का दावा किया गया है। कांग्रेस ने इन आंकड़ों के आधार पर पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और नाम हटाने के कारणों की जांच की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर गरीब, ग्रामीण, मजदूर और आदिवासी मतदाताओं के नाम काटे जाने की आशंका है। पार्टी ने कहा कि रोजगार के लिए दूसरे स्थानों पर जाने वाले श्रमिकों और दूरराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के मताधिकार की सुरक्षा के लिए उचित सत्यापन जरूरी है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य से नहीं होना चाहिए।

राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित शीतला माता मंदिर में नवरात्र के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक सूचना बोर्ड को लेकर विवाद गहरा गया है। बुधवार को यादव समाज के लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष सुधीर यादव के नेतृत्व में पुरानी बस्ती थाने का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। मामले में पुलिस ने मंदिर के पीठाधीश नीरज सैनी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। विवाद



वाले समय और परिवहन खर्च में कमी आएगी। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी कार्य के सुचारु, व्यवस्थित एवं पारदर्शी संचालन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा किसानों

शीतला मंदिर के आपत्तिजनक सूचना बोर्ड पर जमकर विवाद

■ यादव समाज ने किया थाने का घेराव; पीठाधीश के खिलाफ एफआईआर रायपुर। संवाददाता

मंदिर परिसर में लगाए गए एक सूचना बोर्ड को लेकर है। बोर्ड पर लिखा था, ठग रौताइन से सावधान, जल चढ़ाने हेतु किसी भी रौताइन को रुपये न दें। यादव समाज ने इन शब्दों को समाज की महिलाओं के अपमान से जोड़ते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। समाज का कहना है कि इस तरह की भाषा से महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंची है और पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। समाज ने बोर्ड से आपत्तिजनक शब्द हटाने की मांग भी की है। इस मामले में यादव समाज के लोगों ने 17 अक्टूबर को भी पुर्नो बस्ती थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी और एफआईआर की मांग की थी। इसके बाद भी विवाद शांत नहीं हुआ। बुधवार को समाज के लोगों ने थाने का घेराव कर कार्रवाई की मांग उठाई।

राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वास्थ्य-पोषण सेवा संगम के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले की छुईखदान परियोजना के ग्राम तुमड़ादाह स्थित बहुउद्देशीय केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के समुचित पोषण तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी देने के साथ हितग्राहियों को विभागीय सेवाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर के माध्यम से 8 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। साथ ही 3 गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं 1 बालिका को अन्नप्राशन संस्कार संपन्न हुआ।



■ तुमड़ादाह में 8 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, 3 गर्भवती धात्रियों की गोदभराई एवं 1 बालिका का अन्नप्राशन रायपुर/ संवाददाता

गर्भवती एवं शिशुवती माताओं का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिवारों को कुपोषण की पहचान एवं रोकथाम, बच्चों के उचित पोषण तथा आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलने वाली सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, पूरक पोषण आहार एवं मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना से अवगत कराते हुए पात्र हितग्राहियों को इनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों तक पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। कुपोषण की रोकथाम के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की उचित देखभाल और संतुलित आहार आवश्यक है। विभाग का प्रयास है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे तथा जनभागीदारी से स्वस्थ एवं कुपोषित समाज के निर्माण को बढ़ावा मिले।

खरीफ 2026 की उपलब्धियों की समीक्षा

रबी 2026-27 की तैयारियों और कार्य योजना पर हुई विस्तृत चर्चा

■ किसानों की आय बढ़ाने खेती के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी को दें बढ़ावा: कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी

पशुपालन और डेयरी गतिविधियों के विस्तार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए परंपरागत खेती के साथ पशुपालन, कुकुटपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। सरगुजा संभाग में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। स्थानीय जलवायु, उपलब्ध संसाधनों और किसानों की

आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए फसल विविधीकरण तथा कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने गुरुवार को अम्बिकापुर में आयोजित कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए। बैठक में खरीफ वर्ष 2026 के दौरान कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी रबी सीजन 2026-27 की तैयारियों, बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, फसल विविधीकरण, कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के संबंध में चर्चा हुई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने कहा कि खरीफ सीजन में प्रदेश के साथ सरगुजा संभाग के सभी जिलों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए रबी सीजन में भी सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के साथ वैकल्पिक



एवं अधिक लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। सरगुजा संभाग में दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती और उद्यानिकी फसलों के विस्तार की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने रबी पड़ती भूमि में उपलब्ध नमी का उपयोग कर अतिरिक्त क्षेत्राच्छादन बढ़ाने तथा ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन के लिए उन्नत एवं प्रमाणित बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और

वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की समीक्षा करते हुए किसानों को योजना का अधिकाधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से सरसों की खेती का रकबा और उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को उपार्जन व्यवस्था की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत

विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के समुचित पोषण तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी देने के साथ हितग्राहियों को विभागीय सेवाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर के माध्यम से 8 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। साथ ही 3 गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं 1 बालिका को अन्नप्राशन संस्कार संपन्न हुआ।

निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सरगुजा संभाग की जलवायु विभिन्न प्रकार की उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए अनुकूल है। इस संभावना का लाभ उठाते हुए किसानों को लीची, स्ट्रॉबेरी, आलू और ऑयल पाम जैसी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से आलू उत्पादन का क्षेत्रफल बढ़ाने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि के प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में ऑयल पाम एवं अन्य फलदार पौधों के रोपण क्षेत्रों में अंतरवर्तीय फसल उत्पादन, धान आधारित फसल पद्धति में उद्यानिकी फसलों के समावेश तथा क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप फसलों के चयन पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हुए उद्यानिकी के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर विकसित किए जाएं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने रबी वर्ष 2026-27 के लिए बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की मांग, उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की।

संपादकीय

जिस अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों पर रूसी तेल खरीदने से रोकने का दबाव बनाया, वही अब अपनी जरूरतों के लिए उससे डीजल आयात करने जा रहा है। यह कदम उसकी नीतियों की विश्वसनीयता और उसके पीछे के तर्कों पर सवाल खड़े करता है। अगर रूस से ऊर्जा खरीदना उसके युद्ध संबंधी उद्देश्यों को आर्थिक समर्थन देने

के समान है, जैसा अमेरिका कहता आया है, तो फिर वह खुद इस खरीद की अनुमति भला क्यों दे रहा है? गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगा दिया था, जिसे बाद में खत्म किया गया। इसके अलावा, हाल ही में ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी,

जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले भारत व चीन जैसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। दरअसल अमेरिका में अगले महीने मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और वहां चुनावों से ऐन पहले डीजल और ईंधन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसलिए समझा जा सकता है कि कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप प्रशासन ने

रूस के साथ यह समझौता किया है। समस्या किसी देश के अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए अलग मानदंड अपनाने में है। अगर अमेरिका अपनी जरूरतों के आधार पर रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर सकता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी इसी नजरिये

से देखा जाना चाहिए। अमेरिका बेशक इसे अस्थायी और आपात स्थिति बता रहा हो, लेकिन ऊर्जा की उपलब्धता और कीमतों का दबाव भारत के लिए भी उतना ही वास्तविक है। आखिर वह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और अपनी ऊर्जा जरूरतों का 88 फीसदी से अधिक हिस्सा आयात से पूरा करता

है। बहरहाल, अमेरिका के इस कदम से यूक्रेन की नाराजगी तो स्वाभाविक है, लेकिन रूसी डीजल खरीदने पर लगा अमेरिकी प्रतिबंध उठने से अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीजल की उपलब्धता बढ़ती है, तो कीमतों में स्थिरता बढ़ेगी, जिससे भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों को कुछ राहत मिलने की संभावना हो सकती है।

फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होनेवाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था। यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को छेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

(कृष्णा वाजपेई)
मेगा फूड पार्क के अनुभवों से सीखकर भारत को अगली कृषि क्रांति के लिए मजबूत कोल्ट चैन, स्थानीय प्रसंस्करण केंद्रों और निर्यात मानकों पर जोर देना होगा ताकि किसान लाभान्वित हों। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन कृषि अर्थव्यवस्था की सबसे कमजोर कड़ी लंबे समय तक खेत के बाद ही शुरू होती रही। किसान फसल पैदा करता है, मंडी तक पहुंचता है और फिर मूल्यवर्धन का बड़ा हिस्सा दूसरे हिस्सेदारों के खाते में चला जाता है। फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था।

यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को खेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

सरकार ने इस योजना के तहत सामान्य क्षेत्रों में परियोजना लागत का पचास फीसद और कठिन, पहाड़ी तथा पर्वोत्तर क्षेत्रों में पचहतर फीसद तक पूंजीगत अनुदान दिया, जिसकी अधिकतम सीमा पचास करोड़ रुपए थी। यह सरकारी कारखाना खड़ा करने की योजना नहीं थी, बल्कि निजी निवेश से प्रसंस्करण का ढांचा तैयार करना इसका लक्ष्य था।

छेड़ दशक से अधिक समय बाद इसकी तस्वीर मिश्रित है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अनुसार, 41 मेगा फूड पार्कों को सहायता दी गई। उनमें पच्चीस परिचालन में हैं। मंत्रालय की वेबसाइट इस योजना को अप्रैल 2021 से नए परियोजनाओं के लिए बंद बताती है, जबकि जारी परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देनदारियां जारी रखने का प्रावधान है। इस लिहाज से योजना को पूरी तरह सफल नहीं कहा जा सकता है। सवाल यह है कि स्वीकृति और वास्तविक आर्थिक गतिविधि के बीच कितनी दूरी रह गई?

राज्यों में भी अंतर साफ है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तराखंड में कई फूड पार्क परिचालन तक पहुंचे हैं। चित्तूर का श्रीनी मेगा फूड पार्क और उत्तराखंड के पतंजलि तथा हिमालयन मेगा फूड पार्क



रोजगार एवं प्रसंस्करण गतिविधि के उदाहरण है। हालांकि इनमें रोजगार के आंकड़ों की तुलना सावधानी से करनी चाहिए, क्योंकि कुछ में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार दोनों शामिल हैं। यही योजना की मूल चुनौती है। किसी पार्क का स्वीकृत सूची में होना और उसका वास्तव में उत्पादन, निवेश, किसान-संपर्क तथा बाजार से जुड़ना दोनों अलग बातें हैं। केवल भवन और मशीनें पर्याप्त नहीं, नियमित कच्चा माल, बिजली, प्रशीतन भंडारण, कुशल श्रम, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्त, खरीदार और परिवहन भी जरूरी हैं। फिर भी ऐसे ढांचे की जरूरत पर संशय की गुंजाइश बहुत कम है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में फसल कटाई के बाद खेत, परिवहन, भंडारण, थोक और प्राथमिक प्रसंस्करण के स्तरों पर दुनिया में 13.3 फीसद खाद्यान्न की हानि हुई। फल और सब्जियों में यह दर 25.4 फीसद थी। ये वैश्विक आंकड़े भारत की स्थिति का प्रत्यक्ष अनुमान नहीं हैं, लेकिन वे जल्दी खराब होने वाली उपज के लिए बेहतर भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण के महत्त्व को स्पष्ट करते हैं।

भारत फल और सब्जियों के उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। मगर उत्पादन में आगे रहना और मूल्यवर्धित खाद्य का बड़ा निर्यातक होना अलग बातें हैं। कृषि विविध है, घरेलू बाजार विशाल है और प्रसंस्करण के लिए कच्चा माल

उपलब्ध है। मगर वैश्विक बाजार में सस्ता उत्पादन पर्याप्त नहीं, इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्यात मानक और समय पर आपूर्ति भी जरूरी हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का सकल मूल्यवर्धन वर्ष 2014-15 के 1.34 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 2.24 लाख करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच इस क्षेत्र में 7.33 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। इसी अवधि में कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य की हिस्सेदारी 13.7 फीसद से बढ़कर 20.4 फीसद हो गई। हालांकि खाद्य प्रसंस्करण को अब कृषि नीति का सहायक क्षेत्र मानना पर्याप्त नहीं है। यह विनिर्माण, रोजगार, निर्यात और किसान आय से जुड़ा है। छोटे किसान तभी लाभ पाएंगे, जब उन्हें संग्रह, प्राथमिक प्रसंस्करण, गुणवत्ता मानकों, ऋण, संगठित खरीदारों और बाजार तक पहुंच मिले।

वर्ष 2021 में मेगा फूड पार्क योजना को नए परियोजनाओं के लिए बंद करने के बाद सरकार ने अन्य ढांचों पर जोर बढ़ाया। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत क्लस्टर, एकीकृत प्रशीतन श्रृंखला और प्रसंस्करण अवसरंचना को बढ़ावा दिया गया। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन की योजनाओं ने भी दायरा बढ़ाया। जरूरत इसी बहुमंतीय ढांचे की है।

किसान के गांव या उत्पादन क्षेत्र के पास संग्रह

और प्राथमिक प्रसंस्करण हो, तहसील या जिले में प्रशीतन भंडारण और पैकेजिंग की सुविधा हो तथा बड़े औद्योगिक केंद्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़े हों। इससे परिवहन लागत और बर्बादी घट सकती है तथा किसान को कच्चे माल की कीमत से आगे मूल्यवर्धन में हिस्सेदारी मिल सकती है। सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन और छोटे उद्यम इस कड़ी को मजबूत करने में भूमिका निभा सकते हैं। सरकारी सफलता की कसौटी यह होनी चाहिए कि कितनी इकाइयां उत्पादन कर रही हैं, कितने किसान जुड़े हैं, किसानों को कितना अतिरिक्त मूल्य मिला, कितनी उपज बची, कितना निजी निवेश आया, कितना निर्यात हुआ और कितने स्थायी रोजगार सृजित हुए। किसी योजना की आर्थिक सफलता कागजी स्वीकृति से नहीं, जमीन पर चलती गतिविधि से मापी जानी चाहिए।

मेगा फूड पार्क ने भारत को एक महत्वपूर्ण सबक दिया है। कृषि और उद्योग अलग नहीं हैं। आम, टमाटर, दूध, मछली, मसाले या अनाज की आर्थिक क्षमता खेत में उत्पादन के साथ समाप्त नहीं होती। विज्ञान, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, गुणवत्ता और बाजार से जुड़ने पर उसका मूल्य कई गुना बढ़ सकता है। मगर इसके लिए नीति की घोषणा से अधिक जरूरी है उसका समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन।

भारत के सामने अब अवसर बड़ा है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और प्रसंस्कृत खाद्य की निर्यात हिस्सेदारी भी बढ़ी है। मगर क्षमता और उपलब्ध के बीच की दूरी अभी बनी हुई है। अगली कृषि क्रांति केवल अधिक उत्पादन की नहीं, अधिक मूल्यवर्धन की होनी चाहिए। इसके लिए बड़े फूड पार्कों के साथ हजारों छोटे और मध्यम प्रसंस्करण केंद्रों, मजबूत प्रशीतन श्रृंखला, बेहतर गुणवत्ता व्यवस्था और वैश्विक बाजार से विश्वसनीय जुड़ाव की जरूरत होगी।

खेत से दुनिया की थाली तक भारत की यात्रा तभी पूरी होगी, जब किसान मूल्य श्रृंखला का भागीदार बने। मेगा फूड पार्क उस दिशा में बड़ा प्रयोग थे, ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें खेत की उपज उद्योग में मूल्य पाए और स्थानीय उत्पाद दुनिया के बाजार में प्रतिस्पर्धी बने। भारत की खाद्य-प्रसंस्करण क्रांति इसी जुड़ी हुई श्रृंखला से आएगी।

क्यों बदलता है अलग-अलग रिश्तों में इंसान का व्यवहार? समझें मानव स्वभाव का यह सच

समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है। वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं।

(महिमा सामंत)
मनुष्य को समझना शायद संसार के सबसे कठिन कार्यों में से एक है। हम किसी व्यक्ति से मिलते हैं, उसके कुछ व्यवहार देखते हैं और उसके बारे में एक राय बना लेते हैं। मगर समय के साथ जब उसी व्यक्ति को अलग-अलग रिश्तों और परिस्थितियों में देखते हैं, तो अक्सर आश्चर्य होता है। जो व्यक्ति कहीं अत्यंत खेही दिखाई देता है, वही कहीं कठोर नजर आता है। जो किसी के लिए त्याग और समर्पण की मिसाल है, वही किसी दूसरे रिश्ते में उतना उदार नहीं दिखता। तब मन में प्रश्न उठता है- क्या व्यक्ति बदल जाता है, या रिश्तों के साथ उसका व्यवहार बदल जाता है? सच तो यह है कि जीवन एक मंच की तरह है, जहां हर व्यक्ति अनेक भूमिकाएं निभाता है। वह एक साथ पुत्र भी है, पिता भी, मित्र भी, पति भी, कर्मचारी भी और नागरिक भी। हर भूमिका की अपनी अपेक्षाएं, सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए व्यवहार में अंतर दिखाई देना स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है। वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर

के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं। अपने माता-पिता के घर में वह फिर बेटी बन जाती है, जहां बिना किसी संकोच के अपने मन की बात कह सकती है। अपनी सहैलियों के बीच वही महिला सबसे अधिक खुली, हंसमुख और निश्चित दिख



सकती है। रिश्तों के मुताबिक उसकी अभिव्यक्ति भी बदल रही है।

इसी तरह एक व्यक्ति अपनी मां के सामने आज भी बच्चा बना रहता है। वही अपने बच्चों के सामने जिम्मेदार अभिभावक होता है। अपनी बहन के प्रति उसका व्यवहार सुरक्षात्मक हो सकता है, अपने भाई के प्रति प्रतिस्पर्धी और मित्रवत

तथा अपने जीवनसाथी के प्रति सहयोग और साझेदारी वाला। हर रिश्ते में भावनाओं का रंग अलग होता है, इसलिए व्यवहार का स्वरूप भी बदल जाता है। कई बार सास अपनी बेटी और बहू के प्रति अलग व्यवहार करती हुई दिखाई देती है। बाहर से देखने पर यह जानबूझ कर किया गया भेदभाव लगता

है। कुछ मामलों में ऐसा होता भी है, लेकिन हर बार नहीं। अनेक बार इसके पीछे वयों से बनी मानसिकता, भावनात्मक निकटता और सामाजिक संस्कार काम करते हैं। अपनी बेटी की गलती में उसे बचपन दिखाई देता है, जबकि बहू की वही गलती उसे जिम्मेदारी की कमी लग सकती है। दूसरी

ओर, बहू अपनी मां की सलाह को खेह समझती है, लेकिन सास की सलाह को अलोचना मान बैठती है। दोनों पक्षों में अक्सर बुरी नीयत नहीं होती। समस्या दृष्टिकोण और मानसिकता की होती है। इसी तरह, एक पिता अपनी बेटी के लिए अत्यधिक चिंतित रहता है, लेकिन वही चिंता बहू के लिए उतनी स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाता। एक व्यक्ति अपने मित्र को सफलता पर खुश होता है, लेकिन अपने भाई की सफलता पर तुलना करने लगता है। एक कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारी के प्रति औपचारिक रहता है, लेकिन कनिष्ठ सहयोगियों के साथ सहज। इन सबके पीछे कोई सोची-समझी योजना नहीं होती। अधिकांश मामलों में यह वयों से बने अनुभवों, भावनात्मक जुड़ाव और मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का परिणाम होता है।

दरअसल, हर बदलता व्यवहार दिखावा नहीं होता। हम अक्सर कहते हैं कि फर्क व्यक्ति के कई चेहरे हैं, लेकिन कई बार उसके कई चेहरे नहीं होते, बल्कि कई जिम्मेदारियां होती हैं। एक व्यक्ति अलग-अलग परिस्थितियों में अलग प्रकार की प्रतिक्रिया देता है, क्योंकि हर परिस्थिति उससे अलग भूमिका निभाने की अपेक्षा करती है। असली प्रश्न यह नहीं है कि उसका व्यवहार क्यों बदलता है, असली प्रश्न यह है कि क्या उसके मूल मूल्य भी बदल जाते हैं? किसी व्यक्ति को केवल एक रिश्ते के आधार पर नहीं परखना चाहिए। जो शिक्षक कक्षा में कठोर लगता है, वही घर में अत्यंत खेही पिता हो सकता है। जो

छात्र कक्षा में शांत है, वही मित्रों के बीच सबसे अधिक जीवंत हो सकता है। जो पड़ोसी कम बोलता है, वह अपने परिवार के लिए सबसे अधिक समर्पित व्यक्ति हो सकता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति का केवल एक पक्ष देखते हैं और उसी के आधार पर उसके पूरे व्यक्तित्व का निर्णय कर लेते हैं। यह वैसा ही है, जैसे किसी विशाल वृक्ष की केवल एक शाखा देखकर उसके पूरे आकार का अनुमान लगाने का प्रयास करना। आज के सोशल मीडिया युग में यह प्रवृत्ति और भी बढ़ गई है। कुछ तस्वीरें, कुछ पोस्ट या कुछ मिनटों की बातचीत देखकर हम लोगों के बारे में निष्कर्ष निकाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे अनेक पक्ष होते हैं, जिन्हें दुनिया कभी देख ही नहीं पाती। मुस्कुराते चेहरे के पीछे संघर्ष हो सकते हैं और कठोर दिखने वाले व्यक्तित्व के भीतर गहरी संवेदनशीलता छिपी हो सकती है।

फिर भी व्यवहार में परिवर्तन की एक सीमा होनी चाहिए। रिश्तों के अनुसार अभिव्यक्ति बदल सकती है, लेकिन सम्मान, करुणा, न्याय और संवेदनशीलता जैसे मूल्य नहीं बदलने चाहिए। शायद किसी व्यक्ति के चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जिनसे उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला। अपने लोगों से प्रेम करना सहज है, लेकिन हर व्यक्ति के सम्मान को स्वीकार करना परिपक्वता का परिचायक है।

खुद को एआई के हवाले न कर दें- निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे

(एली टैन)
एआई जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, पर यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। पैट्रिक विंस्टन के मुताबिक एआई लोगों को कंप्यूटर से, जान से, असली दुनिया से और आपस में एक-दूसरे से जोड़ने का एक नया जरिया है। हाल ही में मेरे फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। दूसरी तरफ से आवाज आई, 'हेलो, मैं एंथम डेंटल से बोल रहा हूं। मैं आपको एक विशेषज्ञ से जोड़ने जा रहा हूं।' मैं तुरंत समझ गया कि यह मेरा का एआई एजेंट एप 'म्यूज' बोल रहा है। क्योंकि, मैं भी इस एआई एजेंट का खूब उपयोग करता हूं। ठीक दस मिनट पहले, इसी एजेंट ने मेरी डेंटल बीमा देने वाली कंपनी को फोन किया था और क्लिंकूल वैसे ही बात की थी, जैसा मैंने उसे करने के लिए कहा था। यह उन कई कामों में से एक था, जो मैंने पिछले दो हफ्तों में म्यूज से करवाए थे।

म्यूज आम लोगों के लिए बनाया गया शुरूआती एआई एजेंट है। यह इंटरनेट पर वेबसाइट बना सकता है, किसी अकाउंट में लॉगिन कर सकता है, कोई फॉर्म भर सकता है, स्प्रेडशीट तैयार कर सकता है और यहां तक कि आपकी ओर से फोन कॉल भी कर सकता है। मैंने अपने कई जरूरी काम म्यूज को इसीलिए सौंपे, ताकि यह समझ सकू कि यह रोजमर्रा के कामों को कितना आसान बना सकता है और इसकी क्या सीमाएं हैं। मैंने इससे किराने का सामान मंगवाने, मीटिंग तय करने और गेम की सेटिंग्स बदलने जैसे कई काम करवाए।

मुझे सबसे ज्यादा हैरानी तब हुई, जब मैंने अपने फ्रेंडिट कार्ड म्यूज से जोड़े और उसे गुगल शीट्स में मेरे खर्चों का हिसाब रखने को कहा। कुछ ही मिनटों में, उसने पूरा डाटा तैयार कर दिया। खास बात यह थी कि उसने दो ऐसे सब्सक्रिप्शन भी खोज निकाले, जिनके लिए मैं दो बार भुगतान कर रहा था। मेरी अनुमति से उसने उन्हें रद्द कर दिया। फिर, उसने मेरे ई-मेल के जरिये एक ऐसे अखबार के टाइटल का रिकॉर्ड भी मांगा, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी। इससे मेरे 44.99 डॉलर भी बच गए।

इस अनुभव से मुझे समझ आया कि एआई एजेंट सिर्फ सचलों के जवाब देने वाले चैटबॉट नहीं हैं। वे ऐसे काम भी कर सकते हैं, जिन्हें अब तक लोगों को खूद करना पड़ता था। मसलन, मैं पार्किंग टिकट की फोटो लेकर म्यूज को भेजता और वह मेरी ओर से उसका भुगतान कर देता। भुगतान से पहले वह मेरी अनुमति जरूर लेता था। काम करते समय मैं ब्राउजर की एक छोटी-सी विंडो में यह भी देख सकता था कि वह क्या कर रहा है। हालांकि, थर्ड-पार्टी वेबसाइटों में साइन-इन करने में उसे मेरी मदद की जरूरत पड़ी। म्यूज की ताकत और उससे जुड़े जोखिमों का पता मुझे तब चला,

जब मैंने उसे फेसबुक मार्केटप्लेस पर अपने लिए खरीदारी और मोल-भाव करने के लिए कहा। मैंने उसे ऐसे सामान वाली कीमत से आधे या उससे भी कम दाम पर उपलब्ध हों। पर, इसी दौरान मुझसे एक गलती हो गई। म्यूज को भेजने के लिए लिखा गया एक संदेश गलती से एशली नाम के विक्रेता को चला गया। गलती एआई की नहीं, मेरी थी। इस छोटी-सी चूक ने मुझे एक बड़ी सीख दे दी। एआई हमारी जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। यह काफी जोखिमपूर्ण भी हो सकता है।

मुझे म्यूज अब तक का सबसे उपयोगी एआई एप लगा। लेकिन, इसकी उपयोगिता के साथ एक बड़ा सवाल भी है और वह यह कि क्या हम अपने जरूरी कामों के लिए किसी एआई एजेंट को अपने बैंक अकाउंट, ई-मेल और निजी जानकारी तक पहुंच देने को तैयार हैं? खासकर तब, जब मेरा जैसी कंपनी पर निजता और यूजर्स के डाटा की सुरक्षा की जांच चल रही हो। सवाल उठते रहें हैं। हालांकि, एजेंटिक मार्केटिंग प्लेटफॉर्म अकास्टिक की सीनियर डायरेक्टर मेलासा वाडासेरिल ने म्यूज की तुलना साल 2010 में लॉन्च हुए सिरी से की है। उनका कहना है कि सिरी के आने के बाद भी लोगों को यह समझने में वक लगा था कि वे इस तकनीक का इस्तेमाल किन-किन कामों के लिए कर सकते हैं। उनके मुताबिक, म्यूज का बाजार भी अभी शुरूआती दौर में है।

शायद निजता ही एआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ये कई काम बेशक आसान बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें हमारी निजी जिंदगी, आदतों और जरूरी जानकारीयों तक पहुंच देनी होगी। इसलिए, सवाल सिर्फ यह नहीं है कि एआई क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि हम किस सीमा तक खुद को एआई के हवाले करने को तैयार हैं?

हॉटपॉट एआई: इसका इस्तेमाल ग्राफिक्स बनाने, फोटो सुधारने और कटौत तैयार करने के लिए किया जाता है। इसमें आप अपनी पुरानी तस्वीरें अपलोड करके उसे साफ और बेहतर बना सकते हैं। यह फोटो का भुंभुलापन दूर करता, उसे शार्प बनाते तथा छोटे-मोटे दाग या खराब हिस्सों को सुधारने में मदद करता है। अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट फोटो है, तो इसका कलराइज फीचर उसे रंगीन बनाने में सहायता करता है। इससे पुरानी तस्वीरें पहले से ज्यादा साफ और जीवंत दिखाई देती हैं। इसका एक खास फीचर 'डीप नॉस्टैलजिया' भी है, जो तस्वीरों में मौजूद चेहरों को हल्का-सा हिलकारा ऐसा प्रभाव देता है, मानो फोटो में व्यक्ति जीवंत हो उठा हो।

पहली बार रेल में सफ़र कर खिले चेहरे

रावघाट तक ट्रेन पहुंचने से ग्रामीणों के सपनों को मिले पंख

● किसी के लिए पहली रेल यात्रा का रोमांच, तो किसी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों की उम्मीद

कांकेर। रावघाट तक रेल सेवा शुरू होना बस्तर अंचल के ग्रामीणों के लिए केवल आवागमन का नया साधन नहीं, बल्कि वर्षों से देखे जा रहे सपनों के साकार होने जैसा है। दुर्गम और पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे इस क्षेत्र में रेल पहुंचने से अब ग्रामीणों को कम खर्च में यात्रा करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए अवसरों तक पहुंचने की उम्मीद जगी है। कल तक जिन लोगों के लिए ट्रेन को नजदीक से देखना भी किसी उत्सुकता से कम नहीं था, वे अब उसी ट्रेन में बैठकर अपने गंतव्य तक सफर कर रहे हैं। पहली बार ट्रेन में सफर करने वाले ग्रामीणों की खुशी इस बदलाव की सबसे सुंदर तस्वीर पेश करती है। रेल सेवा शुरू होने से रावघाट क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। आमूझमाड़ क्षेत्र के रावघाट तक ट्रेन पहुंचना बस्तर अंचल में विकास, संपर्क



और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विकासखंड अंतागढ़ के ग्राम फूलपाड़ निवासी श्रीमती प्रेमबती गावड़े, श्रीमती बज्जय कौड़ो और श्रीमती सईते नुरेटी ने पहली बार ट्रेन में सफर किया। डेमो टिकट लेकर अंतागढ़ तक की यात्रा करने वाली तीनों सहेलियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ट्रेन में बैठकर सफर करना उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। इसी तरह कुमारी समीना कावड़े ने भी पहली बार रेल

यात्रा की और इस नए अनुभव को लेकर खुशी जाहिर की। इन महिलाओं के लिए यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में पहली बार रेल सर करने की यादगार अनुभूति भी रही। ग्रामीणों के लिए सपना हुआ साकार, अब सस्ते में कर सकेंगे सफर रावघाट से लगे ग्राम आतुरबेड़ा निवासी सोनू उसेंडी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हम रावघाट से लगे हुए गांव के रहने वाले हैं।

सोशल मीडिया क्रिएटर भी पहुंचे रेल यात्रा का अनुभव लेने
अंदरूनी क्षेत्र ग्राम भैसगांव निवासी रूपेश सलाम सोशल मीडिया पर कॉमेडी कंटेंट बनाते हैं। उन्हें जब रावघाट से रेल सेवा शुरू होने की जानकारी मिली, तो वे अपने दोस्तों के साथ यहां पहुंचे और ट्रेन में सफर किया। उनके लिए यह एक नया और यादगार अनुभव रहा। रूपेश और उनके दोस्तों ने भी इस अवसर का लाभ उठाते हुए रेल यात्रा की और इस खास पल को यादगार बनाया।

पहली बार ट्रेन में बैठती तीन सहेलियां, चेहरे पर दिखी खुशी विकासखंड अंतागढ़ के ग्राम फूलपाड़ निवासी प्रेमबती गावड़े, बज्जय कौड़ो और सईते नुरेटी ने पहली बार ट्रेन में सफर किया। डेमो टिकट लेकर अंतागढ़ तक की यात्रा करने वाली तीनों सहेलियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ट्रेन में बैठकर सफर करना उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। इसी तरह कुमारी समीना कावड़े ने भी पहली बार रेल यात्रा की और इस नए अनुभव को लेकर खुशी जाहिर की। इन महिलाओं के लिए यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में पहली बार रेल सफर करने की यादगार अनुभूति भी रही।

ग्रामीणों के लिए सपना हुआ साकार, अब सस्ते में कर सकेंगे सफर रावघाट से लगे ग्राम आतुरबेड़ा निवासी सोनू उसेंडी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हम रावघाट से लगे हुए गांव के रहने वाले हैं। हमारे लिए ट्रेन में बैठना किसी सपने के सच होने जैसा है। हमारे गांव के कई लोगों ने पहले कभी ट्रेन को करीब से नहीं देखा था, लेकिन आज वे इसमें सफर कर पा रहे हैं। हम सभी ग्रामीण बस में बैठकर ट्रेन देखने आए थे और अब हमें इसमें यात्रा करने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रेल सेवा शुरू होने से अब ग्रामीणों को इलाज के लिए दूसरे शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। कम खर्च में यात्रा कर सकेंगे और परिवहन पर होने वाले खर्च में भी बचत होगी। उन्होंने इस सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को मिलेगी बड़े शहरों तक पहुंचने की नई राह रेल सेवा शुरू होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों में भी उत्साह है। ग्राम ताड़ो की निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी गायत्री नुरेटी और नारायणपुर निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी मीनाक्षी उसेंडी ने भी पहली बार ट्रेन में सफर किया। दोनों छात्राओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें अपने क्षेत्र से बड़े शहरों तक जाने का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे आगे की पढ़ाई के लिए नए विकल्प तलाशने और भविष्य में बेहतर शैक्षणिक अवसरों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। रेल सेवा से अब दूरियां कम होने के साथ ही विद्यार्थियों के सपनों को भी नई उड़ान मिलने की उम्मीद है।

पं.चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में होगा राज्योत्सव का आयोजन

अल्ट्राटेक द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

● विभागीय स्टॉल व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे मुख्य आकर्षण

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवम्बर 2026 को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल स्वामी आत्मानन्द शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में होगा। इस बार राज्योत्सव 'सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर आधारित होगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को अधिकारियों को बैठक लेकर भव्य एवं गरिमामय आयोजन हेतु ज्योति निर्देश व तैयारी हेतु विभागवार जिम्मेदारी सौंपी। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि राज्य

सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर सजेगा सम्पूर्ण कार्यक्रम



शासन के निर्देशानुसार राज्योत्सव के अवसर पर 1 से 3 नवम्बर तक सभी शासकीय भवनों में रोशनी की जाए। इसके साथ ही निजी संस्थानों एवं भवनों में रोशनी के लिए सर्वाधिकारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला स्तरीय राज्योत्सव के दौरान विभागीय योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा। उन्होंने मुख्य मंच

निर्माण, विभागीय स्टॉल निर्माण, बैठक व्यवस्था, साउंड सिस्टम, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पेयजल, साफ – सफाई, सुरक्षा एवं मेडिकल, फूड जोन, मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के लिये विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए बेहतर आयोजन के निर्देश दिये। कलाकारों व स्कूली छात्रों द्वारा

सांस्कृतिक प्रस्तुति- कलेक्टर शर्मा ने कहा कि राज्योत्सव में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने कलाकारों का चयन एवं आने जाने व रहने की आवश्यक व्यवस्था के लिये टीम गठित करने कहा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृतिक के साथ ही शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित जनजागरूकता को भी शामिल करने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर ए. आर. टंडन, निशा नेताम मड़वी सहित एसडीएम, एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक सीमेट लिमिटेड, कुकुरदी सीमेट वर्क्स के CSR विभाग एवं सहयोगी इकाई Mines Department के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत 10, 13 एवं 14 अक्टूबर 2026 को क्रमशः मिडिल स्कूल कुकुरदी, मिडिल स्कूल ढनढनी एवं प्राथमिक शाला करमनडीह में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा स्वच्छ भारत के संकल्प को सशक्त बनाना था। अभियान के अंतर्गत तीनों विद्यालयों में विद्यार्थियों की रचनात्मक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मिडिल



स्कूल कुकुरदी में निबंध लेखन प्रतियोगिता, मिडिल स्कूल ढनढनी में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता तथा प्राथमिक शाला करमनडीह में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुकुरदी में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि गोपाल साहू एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित

रहे। ढनढनी में प्रधान पाठक बालाराम धुत्र तथा शिक्षकों ने सहभागिता की, जबकि करमनडीह में प्रधान पाठक भागीरथी वर्मा एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में Mines Department से हेमंत वर्मा एवं आशुतोष शुक्ला एवं दया वर्मा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक दायित्वों के महत्व के

बारे में जानकारी प्रदान की इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपने विद्यालय, घर एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं विकसित समाज की आधारशिला है। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, रचनात्मक सोच एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। षस्क विभाग एवं Mines Department के संयुक्त प्रयास से आयोजित यह अभियान विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच स्वच्छता के संदेश को प्रभावी रूप से प्रसारित करने में सफल रहा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में शामिल होने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर

कांकेर। राज्य के प्रत्येक जिले से युवाओं के बीच पारस्परिक एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन प्रातः 10 बजे से नया बस स्टैंड स्थित डोम कांकेर में किया जाना प्रस्तावित है। युवा उत्सव में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों के पंजीयन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिला खेल अधिकारी एवं खेल तथा युवा कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा उत्सव में विकसित भारत चैलेंज ट्रेक, लोक नृत्य (दलीय), लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, पारंपरिक वेशभूषा, रॉकबैंड (रॉकबैंड का आयोजन केवल राज्य स्तर पर) तथा क्रिएटिव यूथ रोल चैलेंज प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष तक के युवा प्रतिभागी तथा 18 से 40 वर्ष तक के संगतकार (दिनांक 17 अगस्त 2026 की

स्थिति में) भाग ले सकेंगे। जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को 'माई भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीयन कराने की अपील की गई है। पूर्व में विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले चुके प्रतिभागी इस वर्ष उक्त डायलॉग के लिए पात्र नहीं होंगे। भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधाओं (विकसित भारत चैलेंज ट्रेक, लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक) में चयनित प्रतिभागी अथवा दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। 10 से 12 जनवरी 2027 को नई दिल्ली में किया जाना प्रस्तावित है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला उत्तर बस्तर कांकेर में संपर्क कर सकते हैं।

वैभव होने के बावजूद व्यक्ति के भीतर यदि अहंकार आ जाए तो उसका पतन निश्चित : इन्द्र साव

विधायक ने विजयादशमी पूर्व बधाई देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

बलौदाबाजार। क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव ने रावणभाठा स्थित दशहरा मैदान के मुख्यमंच से नगर वासियों और क्षेत्रवासियों को विजयादशमी पर्व की बधाई देते हुए कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि अंततः विजय सत्य, धर्म और न्याय की होती है। अहंकार और घमंड कभी नहीं करना चाहिए, ये असत्य पर सत्य का प्रतीक है और हमें भी अपने जीवन में अहंकारी रूपी रावण को पैदा नहीं होने देना है क्योंकि रावण की बल और बुद्धि भी प्रभु श्री राम के आगे नहीं चल पाई। विधायक इन्द्र साव ने रामलीला के कलाकारों द्वारा राम रावण युद्ध की लीला देखने और भगवान श्री राम के अग्निबाण से रावण के वीरगति को प्राप्त होने पर उपस्थित हजारों लोगों को बधाई एवं शुभकामना दी और कहा कि धन, दौलत, ज्ञान, शक्ति और वैभव होने के बावजूद व्यक्ति के भीतर यही अहंकार आ जाए तो उसका पतन निश्चित है।



जहां सत्य का दीप जलता है, वहां अंधकार उठर नहीं पाता, जहां श्री राम के आदर्श बसते हैं, वहां अन्याय टिक नहीं पाता। विधायक ने आगे कहा कि विजयादशमी का ये पर्व हमें सच्चाई, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलते हुए बुराई पर अच्छाई की विजय पाने की प्रेरणा देता है। भगवान श्री राम की यह विजय अहंकार पर विजयमता की विजय, अहंकार पर धर्म की विजय, असत्य पर सत्य की विजय, बुराई पर अच्छाई की विजय, पाप पर पुण्य की विजय, अत्याचार पर सदाचार की

विजय, क्रोध पर दया, क्षमा की विजय और अज्ञान के अंधकार पर ज्ञान के प्रकाश की विजय है। विधायक इन्द्र साव ने श्री आदर्श रामलीला के 107 वर्ष तक इस आयोजन को जीवंत रखने के लिए रामलीला के कलाकारों सहित समिति के संरक्षक मंडलों को भी बधाई दी और कहा कि आज इस विजयादशमी के पर्व से हमें सिख मिलती है कि कभी भी किसी भी प्रकार का घमंड नहीं करना चाहिए और ना ही अभिमान होना चाहिए। भगवान श्री राम ने एक अभिमान की घमंड तोड़ा।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अब प्रत्येक शुक्रवार को अनुभाग स्तर पर होगा जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

● 23 अक्टूबर से सुबह 11 बजे होगा आयोजन, सभी विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य

कांकेर। कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रत्येक शुक्रवार को अनुभाग स्तर पर नियमित रूप से जनदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत आगामी 23 अक्टूबर शुक्रवार से जनदर्शन कार्यक्रमों को प्रातः 11 बजे संबंधित अनुभाग मुख्यालय में जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार उक्त जनदर्शन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अध्यक्षता में आयोजित होगा। इसमें संबंधित अनुभाग के समस्त विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, ताकि आम

नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का विधिवत पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए आवेदन का नाम, आवेदन का विषय, संबंधित विभाग तथा निराकरण की स्थिति का व्यवस्थित अभिलेख संघारित किया जाएगा। जिन आवेदनों का निराकरण मौके पर संभव होगा, उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा। वहीं, शेष आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-समय निधिर्धारित कर निराकरण के लिए भेजा जाएगा।

लंबित आवेदनों की होगी समीक्षा- प्रत्येक जनदर्शन में पूर्व में प्राप्त लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा भी की जाएगी। आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों से कारण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जनदर्शन के निर्धारित दिवस, समय एवं स्थान का नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों तथा

अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

जनदर्शन के बाद जिला कार्यालय को देना होगा प्रतिवेदन- प्रत्येक जनदर्शन के आयोजन के बाद संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कुल आवेदनों, मौके पर निराकृत आवेदनों, संबंधित विभागों को भेजे गए आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी। सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को जनदर्शन का नियमित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने कहा गया है। जनदर्शन में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति अथवा आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। इस पहल से नागरिकों को अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए अनुभाग स्तर पर नियमित अवसर उपलब्ध होगा।

कन्या छात्रावास में नाबालिग छात्रा से संबंधित मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

● तीन दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश, छात्रा की पहचान एवं व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के निर्देश

कांकेर। भानुप्रतापपुर विकासखंड कांकेरअंगणत संचालित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास में अध्ययनरत एक नाबालिग छात्रा से संबंधित गंभीर एवं संवेदनशील मामला संज्ञान में आया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा मामले की तथ्यात्मक एवं प्रशासनिक जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर अनिकेत अशोक कड़ुते, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कांकेर जयामु खंडचिकित्सा अधिकारी, विकासखंड अंतागढ़ तथा खंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड भानुप्रतापपुर को शामिल किया गया है। समिति को घटना से संबंधित समस्त तथ्यों एवं परिस्थितियों का विस्तृत परीक्षण कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। समिति तीन दिवस के भीतर तथ्यात्मक जांच प्रतिवेदन, स्पष्ट निष्कर्ष तथा आवश्यक कार्रवाई की अनुशंसा सहित प्रस्तुत करेगी। जांच प्रक्रिया के दौरान छात्रा की पहचान एवं व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं।

छग के प्रथम पक्षी विहार गिधवा-परसदा का अस्तित्व खतरे में, 5 से 10 किमी तक भोजन तलाशते हैं प्रवासी पक्षी

उद्योग के धुंए से प्रवासी पक्षियों पर संकट, युवक ने वन मंत्री को लिखा पत्र

ब्रेमेतरा। छत्तीसगढ़ के प्रथम पक्षी विहार गिधवा-परसदा में हर साल हजारों की संख्या में आने वाले प्रवासी पक्षियों के संरक्षण को लेकर अब स्थानीय लोगों में गहरी चिंता व्याप्त हो गई है। ग्राम मुड़पार में शुरू हुए इस्पात उद्योग से निकलने वाले काले धुंए की तस्वीरें सामने आने के बाद यह चिंता और बढ़ गई है। ग्राम बेलटुदुरी निवासी रोशन वर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के वन मंत्री के दार करुण को पत्र लिखकर तस्वीरों सहित शिकायत भेजी है। पत्र में उन्होंने



उद्योग से निकलने वाले धुंए के प्रवासी पक्षियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन कराने का आग्रह किया है।

भोजन की तलाश में 10 किमी तक जाते हैं पक्षी-रोशन वर्मा ने पत्र में लिखा है कि गिधवा-परसदा में आने वाले प्रवासी पक्षी



सिर्फ तालाब तक सीमित नहीं रहते। वे आसपास के 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में फैले खेतों, तालाबों और जलाशयों में अपना भोजन तलाशते हैं। मुड़पार का उद्योग इसी दायरे में आता है। उन्होंने कहा कि यदि इस धुंए का असर पक्षियों के भोजन, पानी और



हवा पर पड़ा, तो ये पक्षी धीरे-धीरे यहां आना बंद कर देंगे। इससे गिधवा-परसदा पक्षी विहार का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा, जिसे बचाने के लिए शासन ने वर्षों मेहनत की है।

एक दर्जन गांवों में नाराजगी-वर्मा ने बताया कि

मुड़पार के निकट के एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों में भी इस उद्योग को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि धुंए से ज्यादा घातक लोगों की नाराजगी का असर होगा, अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों को डर है कि धुंआ न सिर्फ

पक्षियों बल्कि खेती, पशुओं और बच्चों-बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी असर डालेगा। ये की गई मांग-1. मुड़पार इस्पात उद्योग से निकलने वाले धुंए की तत्काल जांच कराई जाए 2. प्रदूषण नियंत्रण मंडल से वायु और जल की गुणवत्ता की रिपोर्ट ली जाए 3. पक्षी विहार के आसपास के क्षेत्र में पक्षियों पर पड़ने वाले प्रभाव का विशेषज्ञों से अध्ययन कराया जाए 4. पक्षियों के अनुकूल वातावरण बनाए रखने की समुचित व्यवस्था की जाए। स्थानीय लोगों ने कहा है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

राशन दुकान संचालन के लिए आवेदन 4 नवम्बर तक

बिलासपुर। जिले के कोट विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान जोगीपुर, मिट्टू नवागांव, करबा, पुडु, पोंड़ी (402003032), मोहली, लूफ, उपका, शक्तीबहरा, कुरबार, नगोई, करी, नवागांव (स), लमकेना, तुलुफ पोंड़ी (402003105) के आबंटन के लिए 4 नवम्बर 2026 तक बंद लिफफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को दुकान आबंटन हेतु आवेदन करने की तारीख से कम से कम 3 माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन करने वाली सहकारी समिति एवं महिला स्व सहायता समूह वर्तमान में कार्यरत हो तथा उसे सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव हो। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में सील बंद लिफफे में ही स्वीकार किया जाएगा। बंद लिफफे के ऊपर जिस दुकान के लिए आवेदन कर रहे हैं उसका नाम व आई.डी. अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 नवम्बर 2026 को दोपहर 3 बजे तक है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे। आवेदन करने के लिए समिति एवं संस्थान के पंजीयन की सत्यापित छायाप्रति, समिति, संस्था, पंचायत के सभी सदस्यों के नाम, पते व आधार की सत्यापित छायाप्रति की जानकारी, आवेदक समिति, समूह, पंचायत का बचत बैंक खाता की प्रमाणित छायाप्रति एवं अंतिम 3 माह का स्टेटमेंट, समिति एवं संस्था का शपथ पत्र आदि होना आवश्यक है।

शासकीय राशन दुकान मचखण्डा के संचालन हेतु आवेदन 30 अक्टूबर तक

बिलासपुर। शासकीय उचित मूल्य की दुकान मचखण्डा के आबंटन के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक शाम 5 बजे तक बंद लिफफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ संस्था के पंजीयन की सत्यापित प्रतिलिपि, बैंक खाते की सत्यापित प्रतिलिपि, विगत 3 माह का बैंक स्टेटमेंट, दुकान संचालन संबंधी संस्था द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि, संस्था द्वारा विगत तीन माह में की गई गतिविधियों के संबंध में समूह का कार्यवाही, प्रस्ताव पंजी की सत्यापित प्रतिलिपि एवं संस्था प्रमुख द्वारा आवेदन के संबंध में निष्पादित शपथ पत्र मूलतः संलग्न करना अनिवार्य है।

आरसीए एवं आरसीए बी के बीच अभ्यास मैच खेला गया

राजनांदगांव। ओपर बैट्समेन रुद्र दशैरिया 20 चौके एवं 3 छके के मदद से 171 बाल में 118 रन बनाया। ट्राफी मैच ऑफ द मैच दिया गया। ओपनिंग जोड़ी में निहाल और रैनक मैदान में उतरे। रैनक 0 रन बनाकर राजवीर में बोल्ल आउट हो गये। पहला विकेट 1 रन पर रैनक के रूप में आऊट हो गया। अर्जुन 20 रन, प्रिस 17 रन, निहाल सोनकर 6 रन पूरी टीम 232 रन बनाकर आल आऊट हो गई। एक्सट्रा के रूप में 56 रन मिला जिसमें व्हाईट 39, एल बी एक, नो बाल 7 रन प्राप्त हुआ। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीए बी की टीम ओपनिंग जोड़ी में शिवा और चीकू पहला विकेट 4 रन के योग पर ऑफ़िसन विजेन्द्र यादव के बाल पर बोल्ल आउट हो गया। क्रमशः राजवीर 20 रन नाटआऊट, 12 रन चीकू, शिवा 4 रन, देविका 8 रन, 21 रन व्हाईट, नो बाल 3, 78 रन पर पूरी टीम आल आऊट हो गई। विजेन्द्र यादव 3 विकेट, निहाल 1, ईशान साहू 3 विकेट प्राप्त हुए।

कोसीर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 7.20 लीटर देशी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, ₹53,200 की संपत्ति जब्त

सारंगढ़-। जिले में अवैध शराब के कारोबार और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोसीर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 7.20 लीटर देशी शराब और परिवहन में प्रयुक्त हीरो पैंशन प्लस मोटरसाइकिल सहित कुल 53,200 रुपये की संपत्ति जब्त की है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर 2026 को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल में शराब रखकर कोसीर से भाटागांव की ओर बिक्री के लिए जा रहे हैं।

सेवा सेतु केन्द्रों से नागरिकों को मिलें सुगम और त्वरित सेवाएं,प्रबंधकों को दिया गया प्रशिक्षण...

■ त्रुटि रहित आवेदन भरने पर जोर, केंद्रों में सेवा शुल्क की सूची प्रदर्शित करने के निर्देश

बिलासपुर। जिले के नागरिकों को सेवासेतु पोर्टल के माध्यम से सरल, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सेवासेतु केंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी बिलासपुर द्वारा खारंग जल संसाधन विभाग परिसर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में सेवासेतु केंद्र प्रबंधकों की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नगर निगम क्षेत्र एवं सभी विकासखंडों के

केंद्र प्रबंधकों के साथ राजस्व विभाग के तहसीलदार, रीडर और भू-अभिलेख शाखा के कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण में केंद्रों के माध्यम से किए जा रहे ऑनलाइन आवेदनों तथा अपूर्ण आवेदनों को सुधार के लिए वापस भेजने और निरस्त किए जाने के कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रबंधकों को विभिन्न सेवाओं के लिए आवश्यक दस्तावेजों, आवेदन प्रक्रिया और पोर्टल पर उपलब्ध नई सेवाओं की जानकारी दी गई। केंद्र प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि आवेदन ऑनलाइन दर्ज करने से पहले संबंधित सेवा के लिए निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों की सूची से मिलान अवश्य करें। पूर्ण और सही दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत होने से त्रुटियों के कारण आवेदन वापस होने की स्थिति कम

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय बैठक सम्पन्न

फसल विविधीकरण और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर जोर

■ खरीफ2026 की समीक्षा एवं रबी 2026-27 की कार्ययोजना पर हुई विस्तृत चर्चा

बिलासपुर। राज्य शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं कृषि सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में शुरुवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ वर्ष 2026 के अंतर्गत संचालित कृषि गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए खेती-किसानी के साथ कुकुटपालन, मछलीपालन, बकरीपालन और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ सीजन के दौरान हुई प्रगति की समीक्षा के साथ रबी सीजन की तैयारियों



पर चर्चा किया गया। कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री परदेशी ने कहा कि खरीफ सीजन में बिलासपुर संभाग में अच्छा कार्य हुआ है, जिसमें सम्भाग के सभी जिलों का भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में भी इसी तरह हम सबको सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा, ताकि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके। उन्होंने कृषि एवं

संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचाने पर जोर दिया। रबी वर्ष 2026-27 की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के लिए किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की

आवश्यकता है इस दौरान फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने, गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए, बिलासपुर संभाग में कृषि विकास के व्यापक संभावना हैं, जिनका लाभ उठाते हुए दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती और उद्यानिकी के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है। इस दौरान गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन के संबंध में उन्नत एवं प्रमाणित बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कृषि उत्पादन आयुक्त ने पी.एम. आशा योजना की समीक्षा करते हुए किसानों को योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने तथा सरसों की फसल का रकबा और उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। इस दौरान उद्यानिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संभाग में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाने के निर्देश दिए। यहां की जलवायु उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए अनुकूल संभावनाएं प्रदान करती है।

पुरानी रंजिश में नाबालिग रतनपुर पुलिस की अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम लावर में पुरानी रंजिश को लेकर एक नाबालिग पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना रावण दहन के बाद भोथीडीह मिडिल स्कूल परिसर में हुई, जहां आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए चूड़ा और डंडे से नाबालिग के सिर, गले और हाथ पर हमला कर दिया। हमले में नाबालिग के सिर पर गंभीर चोट आई है। मामले में मस्तूरी पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चूड़ा और डंडा भी जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच ग्राम लावर-भोथीडीह के मिडिल स्कूल

परिसर में रावण दहन के बाद विवाद हुआ। बताया गया कि करीब दो माह पहले 17 वर्षीय भानू कैवर्त को एक अज्ञात लड़की के साथ पकड़े जाने की घटना को लेकर आरोपी अरुण खुटे उर्फ गुड्डू और उसके साथियों के बीच पुरानी रंजिश थी। इसी बात को लेकर भानू कैवर्त ने अरुण खुटे से विवाद किया। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से हाथ में पहने चूड़े और डंडे से उसके सिर, गले और हाथ पर हमला कर दिया। हमले में नाबालिग के सिर पर चोट आई, जबकि गले और हाथ में भी चोटें लगीं। ये पांच आरोपी गिरफ्तार प्राथी की रिपोर्ट पर थाना मस्तूरी में अपराध क्रमांक 773/2026 के तहत भारतीय न्याय

7 लीटर महुआ शराब जब्त

बिलासपुर। जिले में अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए रतनपुर पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने गांधीनगर रतनपुर में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 7 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी कीमत 1,400 रुपये है, तथा शराब बिक्री की 1,100 रुपये की रकम जब्त की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह



(भा.पु.से.) के निर्देश पर जिले में नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती मधुलिका सिंह एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी रतनपुर निरीक्षक निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में अवैध शराब, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों पर

स्वच्छ और कचरा मुक्त गांव बनाने पर जोर,राज्य सलाहकार ने किया स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण

■ घर-घर कचरा संग्रहण और कचरे के पृथक्करण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बिल्हा विकासखंड के ओडीएफ मॉडल ग्राम बिटकुली, पासीद, खम्हारडीह एवं मंगला (प) में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण और अपशिष्ट निपटान की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही स्वच्छ एवं कचरा मुक्त गांव बनाने के लिए ग्रामीणों की सक्रिय



भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान श्रीमती सिंह ने स्वच्छाहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत कचरे को चार श्रेणियों सूखा, गीला, सेनेटरी एवं विशेष देखभाल वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे में

अलग-अलग रखने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए घरों से ही कचरे का पृथक्करण जरूरी है। ग्रामीणों को नियमित कचरा संग्रहण में सहयोग करने और स्वच्छता शुल्क का भुगतान

करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। श्रीमती सिंह ने घर-घर कचरा संग्रहण में संलग्न स्वच्छग्राही समूहों के सदस्यों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सरपंचों एवं सचिवों से कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले लोगों को पहले समझाइश दी जाए। इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने गांवों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के नियमित उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर जिला समन्वयक, जनपद पंचायत की टीम, नोडल अधिकारी, सरपंच, पंच, सचिव, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बिहान समूह की महिलाएं, स्वच्छग्राही एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नवाचार को प्रोत्साहन युवाओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान



■ सीएमडी महाविद्यालय में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा सीएमडी महाविद्यालय में ‘सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026’ एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में नवाचार एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देना तथा उनके नए विचारों को उचित मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रबंधक सुनील कुमार पाण्डेय ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत 10 विभिन्न सेक्टरों से नवीन एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक सेक्टर से पांच विजेताओं का चयन किया जाएगा। इनमें एक स्थान महिला प्रतिभागियों तथा एक स्थान 21 वर्ष से कम आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए आरक्षित रहेगा। इस प्रकार कुल 50 विजेताओं का चयन किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता

के तहत कुल पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसमें केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि बाहर के इच्छुक प्रतिभागी और नवाचारकर्ता भी हिस्सा ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागियों को माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. संजय दुबे ने विद्यार्थियों को नए एवं विशिष्ट विचार प्रस्तुत करने और समाज तथा उद्योग की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रबंधक उत्तम कुमार दुबे ने स्वरोजगार संबंधी योजनाओं एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य संजय सिंह ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ से प्रतियोगिता की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा इच्छुक प्रतिभागियों को पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल सहित अन्य प्राध्यापकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान लगभग 60 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।



बड़ी इलायची खाने से मिलेंगे बेमिसाल फायदे

भारतीय रसोई में मौजूद मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इन्हीं में बड़ी इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेट्री आदि गुणों से भरपूर होती है। इसे काली या भूरी इलायची भी कहा जाता है। इसके सेवन से इम्युनिटी व पाचन तंत्र मजबूत होता है। ऐसे में बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। साथ ही पेट संबंधी समस्याओं से बचाव रहता है। चलिए जानते हैं इसके सेवन के फायदों के बारे में.

अस्थिमा में फायदेमंद
इसका सेवन करने से सांस संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करके उसे बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद करती है।

कैंसर का खतरा करें कम
बड़ी इलायची में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण कैंसर की कोशिकाओं को पनपने से रोकते हैं। ऐसे में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

एसिडिटी से राहत दिलाए
आजकल लोगों को एसिडिटी की समस्या अधिक हो रही है ऐसे में इससे बचने के लिए डेली डाइट में बड़ी इलायची सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसके सेवन से एसिडिटी की परेशानी दूर होकर पाचनतंत्र दुरुस्त रहने में मदद मिलती है।

सिर व शरीर दर्द से दिलाए छुटकारा
सिरदर्द से राहत दिलाने में भी काली इलायची कारगर मानी गई है। इसके सेवन से सिर व शरीर के किसी भी हिस्से का चुटकियों में ठीक हो जाते हैं। इसके साथ ही सुस्ती, आलस व थकान से भी आराम मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार काली इलायची के पाउडर को शहद के साथ खाने से शरीर का दर्द मिनटों में दूर हो जाता है।

इम्युनिटी बढ़ाए
काली इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट व औषधीय गुण होते हैं। इसका सेवन करने से इम्युनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। ऐसे में इसका सेवन सर्दी-जुकाम, खांसी से बचाव रहता है।

मुंह की दुर्गंध भगाए
अक्सर कई लोगों को मुंह से दुर्गंध आने की परेशानी होती है। ऐसे में बड़ी इलायची को चबा-चबाकर खाने से फायदा मिलता है। यह मुंह की बदबू दूर करने में कारगर मानी जाती है।

स्किन करेगी ग्लो
सेहत ही नहीं स्किन के लिए भी बड़ी इलायची रामबाण मानी जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसका सेवन करने से पिंपल्स की समस्या से बचाव रहता है। इसके साथ ही चेहरे पर नेचुरल ग्लो आने में मदद मिलती है।



एक से बड़े एक रोग का नाश करती है नस्य थेरेपी

नस्य पंचकर्म थेरेपी आयुर्वेद की एक प्रमुख चिकित्सा पद्धति है। नस्य का मतलब है नाक के जरिए आयुर्वेदिक दवाएं देना, ताकि कान, नाक, गले और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जा सके। लेकिन इस थेरेपी की सलाह हर किसी को नहीं दी जाती है और नस्य पंचकर्म आयुर्वेद विशेषज्ञ के बताये अनुसार ही करवाना चाहिए, जिससे इसका लाभ मिल सके और नुकसान से बचा जा सके।

आयुर्वेद में कुछ बीमारियों के इलाज के दौरान पंचकर्म थेरेपी की मदद ली जाती है। वहीं साइनस की समस्या, मेंटल हेल्थ, फर्टिलिटी में मदद करने और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए नस्य सबसे ज्यादा असरदार पंचकर्म थेरेपी में से एक है। लेकिन सच ये भी है कि हर किसी के लिए नस्य थेरेपी को सुरक्षित नहीं माना गया है। अगर गलत समय और बिना नस्य एक्सपर्ट के इस थेरेपी को करवाया जाए, तो इससे फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है। इसलिए नस्य थेरेपी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हम आपके साथ यहां शेयर कर रहे हैं, जिससे नस्य पंचकर्म थेरेपी का फायदा मिल सके।



नस्य पंचकर्म थेरेपी क्या है

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च के अनुसार नस्य का मतलब है नाक के जरिए आयुर्वेदिक दवाएं देना, ताकि कान, नाक, गले और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जा सके। इस पंचकर्म थेरेपी की मदद से क्रोनिक साइनसाइटिस, माइग्रेन, हार्मोनल असंतुलन, बालों का झड़ना, गर्दन में अकड़न, फर्टिलिटी प्रोब्लम्स एवं न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है और इसके लगभग कोई साइड इफेक्ट नहीं होते। यह पंचकर्म इलाज का एक अहम हिस्सा है और जब इसे आयुर्वेद के जानकार करते हैं, तो यह शरीर में वात-पित्त-कफ का संतुलन वापस लाने में अत्यधिक असरदार माना गया है। आयुर्वेदिक इंस्टीट्यूट के अनुसार यह प्रक्रिया सिर्फ नाक में तेल डालने तक सीमित नहीं है, बल्कि नस्य पंचकर्म थेरेपी के दौरान-

- स्टेप 1 - प्रक्रिया से पहले चेहरे की मालिश यानी अभ्यंग उपचार किया जाता है।
 - स्टेप 2 - हल्की स्टीम थेरेपी दी जाती है जिसे आयुर्वेद में स्वेदन उपचार कहते हैं।
 - स्टेप 3 - औषधीय तेल डालना
 - स्टेप 4 - प्रक्रिया के बाद गरारे करवाया जाता है और फिर आराम करने की सलाह दी जाती है।
- शरीर की एक नहीं, बल्कि कई तकलीफों को दूर करने के लिए नस्य पंचकर्म थेरेपी को प्रभावी माना गया है। लेकिन इस थेरेपी की सलाह कुछ लोगों को नहीं दी जाती है।

नस्य थेरेपी कब सुरक्षित होती है

- यह थेरेपी तभी सुरक्षित मानी जाती है। जब-
- इसे किसी क्वालिफाइड पंचकर्म डॉक्टर की देखरेख में करवाया जाए
 - इसे किसी भरोसेमंद आयुर्वेदिक सेंटर में किया जाए
 - इसे दोष के अनुसार कस्टमाइज किया जाए
 - इसे सही जांच के बाद किया जाए

नस्य ट्रीटमेंट कब बंद करना चाहिए

इन स्थितियों में नस्य ट्रीटमेंट तुरंत रोकने की सलाह दी जाती है और जल्द से जल्द आयुर्वेद एक्सपर्ट से संपर्क करना जरूरी बताया गया है। जैसे- तेज सिरदर्द होना, देखने में परेशानी होना, लगातार नाक से खून आना, लगातार उल्टी होना, तेज जलन होना

नस्य थेरेपी आयुर्वेद के सबसे बेहतरीन और असरदार इलाजों में से एक है। यह नाक के जरिए दवा (खास तरह का तेल) देकर ठीक होने और शरीर में संतुलन बनाए रखने का सीधा तरीका है। लेकिन नस्य थेरेपी के फायदे और अनचाही दिक्कतों के बीच का फर्क समझना बहुत जरूरी है। इसलिए आयुर्वेद विशेषज्ञ से इसके बारे में समझकर ही यह पंचकर्म थेरेपी फायदेमंद हो सकती है।

घबराहट या पैनिक अटैक

जिन लोगों को वर्लॉस्टोफोबिया, बहुत ज्यादा बेचैनी या घबराहट की समस्या होती है, उन्हें नस्य ट्रीटमेंट की सलाह नहीं दी जाती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ सबसे पहले घबराहट या पैनिक अटैक जैसी स्थितियों को समझकर इलाज करते हैं और जब मरीज की स्थिति ठीक होती है, तो जल्द से जल्द नस्य ट्रीटमेंट की शुरुआत करते हैं। इन स्थितियों के साथ-साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ मरीज की शारीरिक स्थितियों को समझकर नस्य पंचकर्म थेरेपी की सलाह देते हैं। सुरक्षित आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट किसी प्रोफेशनल आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से ही करवाना चाहिए।



इन लोगों के लिए नहीं है ये पंचकर्म थेरेपी

गर्भवती महिलाओं को नहीं करवाना चाहिए नस्य पंचकर्म प्रेग्नेंसी - प्रेग्नेंसी अत्यधिक संवेदनशील स्थिति है और ऐसे में नस्य कर्म से गर्भवती महिला को कई तरह की समस्या हो सकती है। जैसे- वात बढ़ सकता है, हार्मोनल प्रक्रियाओं पर असर पड़ सकता है, शरीर में दोषों की अनचाही हलचल शुरू हो सकती है हालांकि आयुर्वेद प्रेग्नेंसी के दौरान की देखभाल को सपोर्ट करता है, लेकिन नस्य पंचकर्म जैसी डिटॉक्स थेरेपी को हल्के-फुल्के ढंग से नहीं करना चाहिए।

पीरियड्स- अगर पीरियड्स के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग की समस्या हो, तो इस वकत शरीर स्वाभाविक रूप से साफ हो रहा होता है। इस दौरान वात सक्रिय होता है। इस समय थेरेपी लेने से शरीर में नीचे की ओर होने वाला बहाव बाधित हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि इसे मासिक धर्म चक्र के खत्म होने तक टाल दिया जाए।

बुखार- तेज बुखार, साइनस की गंभीर समस्या, अत्यधिक सर्दी-जुकाम, गले में इन्फेक्शन की समस्या रहने पर पहले इनका इलाज किया जाता है। क्योंकि नस्य आयुर्वेदिक थेरेपी से शरीर डिटॉक्स होती है और तेज बुखार, साइनस या सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ सकती है।

मस्तिष्क या नाक की सर्जरी- हाल ही में हुई नाक की सर्जरी, मस्तिष्क की सर्जरी, सेप्टम ठीक करने की सर्जरी या फिर सिर में चोट जैसी स्थिति में नस्य थेरेपी नहीं ली जा सकती है।

माइग्रेन- अगर माइग्रेन की समस्या अचानक तेज हो गई हो, तो ऐसी स्थिति में भी नस्य थेरेपी की अनुमति नहीं दी जाती है। क्योंकि इस दौरान थेरेपी लेने से माइग्रेन की समस्या थेरेपी के कारण और बढ़ सकती है।



हार्ड ब्लड प्रेशर- अगर हार्ड ब्लड प्रेशर की समस्या हो और ब्लड प्रेशर नियंत्रित नहीं रहता हो, तो ऐसी स्थिति में भी नस्य पंचकर्म करने से पहले आयुर्वेदिक उपचार से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जाता है। नियमित बीपी चेकअप के बाद अगर ब्लड प्रेशर नियंत्रित हो जाए, तो उसके बाद ही नस्य पंचकर्म करवाने की सलाह दी जाती है।

सीनियर सिटीजन- अगर उम्र बहुत ज्यादा हो और व्यक्ति कमजोर हो, बहुत ज्यादा कमजोरी हो, इम्युनिटी कम हो या हमेशा थका हुआ महसूस करने वाले बुजुर्गों में नस्य पंचकर्म की प्रक्रिया को सहने की क्षमता कम हो सकती है। इसलिए किसी बीमारी या कमजोर बुजुर्गों को नस्य थेरेपी करवाने की इजाजत नहीं दी जाती है।

कम उम्र के बच्चे - स्टडी के अनुसार 7 साल से कम उम्र के बच्चों को नस्य थेरेपी नहीं दी जाती है। इसका मुख्य कारण है छोटे बच्चों की नाक की नली नाजुक और अत्यधिक संवेदनशील होती है। और नस्य पंचकर्म के दौरान बच्चे को नाक में जलन या असुविधा हो सकती है।

ब्लीडिंग डिसऑर्डर - जिन लोगों को ब्लीडिंग डिसऑर्डर की समस्या जैसे बार-बार नाक से खून आने की समस्या, प्लेटलेट काउंट कम होना, ब्लड क्लॉट जैसी समस्या हो, तो भी नस्य ट्रीटमेंट की सलाह नहीं दी जाती है।



त्योहारों की भागदौड़ के बाद महसूस हो रही है थकान खुद को मेंटली रिलैक्स करने के लिए करें ये काम

भारत देश में कई बड़े बड़े त्योहार मनाए जाते हैं। दीपावली जैसे बड़े पर्वों के आने से पहले लोग घरों की साफ-सफाई करके हर एक कोना सजाते हैं। लगातार कई दिनों तक चलने वाली यह घर की सफाई और भागदौड़ के बीच शरीर और मन दोनों थक जाते हैं। त्योहारों पर ऐसा होना आम बात है, लेकिन अजीब सी यह मानसिक थकावट, सुस्ती और खालीपन परेशानी का कारण बन जाता है।

त्योहारों के बाद थकान दूर करने के असरदार उपाय

अगर आप भी त्योहारों के बाद बहुत ज्यादा थका हुआ महसूस करती हैं, तो तो घबराने के बजाय कुछ छोटे, लेकिन असरदार तरीकों को अपना सकती हैं। यह आपके मन और शरीर को फिर से

तंदरुस्त बनाने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं मेंटली रिलैक्स होने के कुछ बेहतरीन तरीके। अगर त्योहारों के बाद भी आपको थकान महसूस हो रही है, तो सोशल मीडिया पर बधाइयां देना, तस्वीरें शेयर करना और लगातार स्क्रीन देखने के बजाय आप कुछ घंटों या कम से कम एक दिन के लिए फोन, लैपटॉप और टीवी से दूरी बना लें। ऐसा करने से दिमाग को शांति मिल सकती है। त्योहारों के जश्न में ना चाहते हुए भी रात में सोने में देरी हो जाती है, जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती। फेस्टिव सीजन के बाद आप थकान कम करने के लिए कम से कम 7 से 8 घंटे की गहरी और आरामदायक नींद लें। ऐसा करने से भी आपकी बॉडी का एनर्जी लेवल वापस नॉर्मल हो सकता है। त्योहारों में तली-भुनी चीजें, मिठाइयां और भारी खाना खाने के बाद डाइजेशन बिगड़ने लगता है। ऐसे में आप कुछ दिनों के लिए हल्का भोजन, ताजे फल, डिटॉक्स ड्रिंक्स और खूब सारा पानी पिएं।

मन को शांत करने के लिए सुबह या शाम के समय शांत कमरे में बैठे या किसी ऐसी जगह जाएं, जहां कोई न हो और शांति हो। 10 से 15 मिनट गहरी सांस वाला व्यायाम या ध्यान करें। इससे स्ट्रेस हार्मोन कम होते हैं और मानसिक शांति मिलती है। खुद को तरोताजा रखने के लिए कुछ खास बातें अगर आप मेंटल रिलैक्सेशन के अलावा खुद को हमेशा फिट रखना चाहती है, तो नीचे बताई गई इन छोटी आदतों को अपना सकती हैं।

जैसे -

- एसेंशियल ऑयल या एप्सम सॉल्ट डालकर गुनगुने पानी से नहाने से शरीर की मांसपेशियों की जकड़न और थकान दूर हो सकती है।
- यही नहीं किताब पढ़ना, मनपसंद गाने सुनना या अपनी पसंद का कोई काम करने से भी मन खुश होता है और दिनभर ऊर्जावान महसूस होता है।

पटरीपार के वार्ड 17 और 20 को मिलेगी जर्जर सड़कों से मुक्ति, महापौर अलका बाघमार ने 19.53 लाख के डामरीकरण कार्यों का किया भूमिपूजन

शहर के कोने-कोने तक पहुंचेगा विकास,महापौर अलका बाघमार

दुर्ग।नगर पालिक निगम, दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने और नागरिकों को जर्जर सड़कों से राहत दिलाने की दिशा में महापौर अलका बाघमार ने पटरीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 एवं 20 में डामरीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया।इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा लंबे समय से जर्जर और उबड़-खाबड़ सड़कों से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी।वार्ड क्रमांक 17 में राजू पेट्टर के घर से भास्कर तिवारी के घर तक बी.टी. रियून्वेल कार्य के लिए 9.58 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 20 में आदित्य नगर चौक से शिव मंदिर होते हुए आंगनवाड़ी की ओर डामरीकरण कार्य के लिए 9.95 लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई है। महापौर ने विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के कोने-कोने तक विकास कार्य पहुंचाना और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना



निगम की प्राथमिकता है। पटरीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 एवं 20 में जर्जर सड़कों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। डामरीकरण कार्य पूरा होने के बाद सड़कों की स्थिति बेहतर होगी और आम नागरिकों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहर के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे

हैं, ताकि नागरिकों को बेहतर सड़क, सुगम आवागमन और सुविधाजनक वातावरण मिल सके।भूमिपूजन के दौरान वार्ड पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों ने जर्जर सड़कों की समस्या से राहत दिलाने के लिए महापौर का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि इन कार्यों के पूर्ण होने से सड़क की स्थिति सुधरेगी और दैनिक आवागमन पहले से

अधिक सुगम होगा।कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, सुरेश्वर उमरे, सावित्री दमाडे, विद्यावती सिंह, एल्डरमेन तेखन सिन्हा, पटरीपार मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह,जितेंद्र राजपुत सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

डिजिटल रिपोर्टिंग के बोझ तले दबे स्वास्थ्य कर्मी, मोबाइल और डेटा भत्ता देने की उठी पुरजोर मांग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने कराया मुख्य सचिव विकासशील का ध्यानाकर्षण,कैशलेस चिकित्सा का दायरा बढ़ाकर 200 करोड़ करने की मांग



कर्मचारियों को मोबाइल या डेटा रिचार्ज भत्ता नहीं दिया जा रहा है। व्यक्तिगत उपयोग के लिए रिचार्ज कराए जाने वाले डेटा का अधिकांश हिस्सा शासकीय ऑनलाइन प्रविष्टियों में खर्च हो रहा है, जो कर्मचारियों की आर्थिक और मानसिक परेशानी का बड़ा कारण बन गया है।संघ के पदाधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि डिजिटल डॉक्यू और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए शासकीय कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है। इसके तहत ऑनलाइन स्टेटस अपडेट करने और हितग्राहियों को मोबाइल पर सेवाएं प्रदर्शित करने हेतु हर कर्मचारी को साल में एक बार एंड्रॉइड स्मार्टफोन खरीदने के लिए राशि तथा प्रतिमाह

पांच सौ रुपये डेटा रिचार्ज भत्ता दिया जाना आज के समय की सबसे बड़ी और वास्तविक मांग है। सभी विभागों के प्रमुख सचिवों को इस जायज मांग को मुख्य सचिव के समक्ष रखना चाहिए ताकि मैदानी स्तर पर काम करने वाले कर्मियों को राहत मिल सके।इसके अलावा, कर्मचारियों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा से जुड़े मुद्दों को भी जोर-शोर से उठाना गया है। पिछली कैबिनेट में कैशलेस चिकित्सा के लिए स्वीकृत किए गए एक सौ करोड़ रुपये का शासकीय नियम और आदेश इसी कैबिनेट में जारी करने की मांग की गई है। साथ ही, इसमें संशोधन कर पेंशनर्स को भी इस स्वास्थ्य योजना का लाभ देने के लिए स्पष्ट मार्गदर्शिका जारी करने पर बल दिया गया है।

नगर निगम निर्वाचन 2026 की तैयारियों का जायजा, कल्याण कॉलेज में सामग्री वितरण-वापसी एवं स्ट्रांग रूम व्यवस्था का निरीक्षण



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई निर्वाचन 2026 की तैयारियों के तहत कल्याण कॉलेज, सेक्टर-7 भिलाई में निर्वाचन सामग्री के वितरण एवं वापसी की व्यवस्था तथा स्ट्रांग रूम तैयार करने की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, आयुक्त सुरेश सिंह, अपर कलेक्टर सिल्ली धामीस,

अनुविभागीय दंडाधिकारी सोनल डेविड सहित निगम टीम की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन सामग्री के व्यवस्थित वितरण एवं वापसी, स्ट्रांग रूम के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन प्रक्रिया के सुचारु संचालन से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन

कर निर्वाचन कार्यों को व्यवस्थित एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।नगर निगम निर्वाचन से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय-सिमा में पूर्ण करने तथा निर्वाचन कार्यों के दौरान समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सके।

पं.चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में होगा राज्योत्सव का आयोजन, सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर सजेगा सम्पूर्ण कार्यक्रम

विभागीय स्टॉल व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे मुख्य आकर्षण

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवम्बर 2026 को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल स्वामी आत्मानन्द शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में होगा। इस बार राज्योत्सव 'सशक्त नारी,युवा उड़ान' थीम पर आधारित होगा।कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर भव्य एवं गरिमामय आयोजन हेतु जरूरी निर्देश व तैयारी हेतु विभागवार जिम्मेदारी सौंपी। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार राज्योत्सव के अवसर पर 1 से 3 नवम्बर तक



सभी शासकीय भवनों में रोशनी की जाए। इसके साथ ही निजी संस्थानों एवं भवनों में रोशनी के लिए सम्बंधितों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला स्तरीय राज्योत्सव के दौरान विभागीय योजनाओं से

हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जाएगा। उन्होंने मुख्य मंच निर्माण, विभागीय स्टॉल निर्माण, बैठक व्यवस्था, साउंड सिस्टम, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, सुरक्षा

एवं मेडिकल, फूड जेन, मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के लिये विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए बेहतर आयोजन के निर्देश दिये। कलाकारों व स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति- कलेक्टर श्री

शर्मा ने कहा कि राज्योत्सव में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देगे।उन्होंने कलाकारों का चयन एवं आने जाने व रहने की आवश्यक व्यवस्था के लिये टीम गठित करने कहा।

इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृतिक के साथ ही शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित जनजागरूकता को भी शामिल करने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुशी दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर ए. आर. टंडन, निशा नेताम मड़वौ सहित एसडीएम, एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

अंचल में मां दुर्गा को दी गई विदाई, विदाई यात्रा में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

नारायणपुर -ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के समापन के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं को बढ़े ही धूमधाम और भक्तिभाव के साथ तालाबों में विसर्जन किया गया।

इस दौरान गांवों में नौ दिनों तक भक्तिमय माहौल बना रहा, इस दौरान माता रानी की विदाई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु लोग शामिल होकर गांव के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जयकारों की गीत गाते हुए भक्त नाचते गाते हुए जय माता दी की जयकरों लगाए हुए चल रहे थे,

जहां विदाई यात्रा के दौरान महिलाओं एवं पुरुषों और युवाओं ने हर कीर्तन की धुन पर नृत्य करते हुए आगे बढ़े और जगह-जगह मां दुर्गा लोगों ने आशीर्वाद लिया और सुख-



समृद्धि की कामना की।वही लोगों ने बताया कि मां दुर्गा पूजा के दौरान नौ दिनों तक माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, वही अष्टमी और नवमी पर कन्या पूजन,हवन और धंड़रे का आयोजन भी किया गया।विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए ग्रामीणों और युवाओं की टोली भी साथ ही, जहां

देर शाम को सभी प्रतिमाओं का तात्वाब में विसर्जन किया गया। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश, दशहरा उत्सव में उमड़ी हजारों की भीड़-वही विजयदशमी पर गांव में 40फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन पुरे विधि: विधान और उत्साह के साथ किया गया। जहां रावण दहन

के साथ ही पूरा वातावरण जय श्री राम के जयघोष से गुंज उठा। इस दौरान दशहरा मैदान में हथोल्स के साथ रावण दहन किया गया। रावण के पुतले का दहन होते ही मैदान जय श्री राम के जयघोष से गुंज उठा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और आतिशबाजी के बीच दशहरे का उत्सव मनाया गया। दशहरा असत्य पर सत्य,अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,इसी दिन भगवान श्री राम ने पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दश महाविद्या द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ बर्षनी आश्रम परिसर में शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर रविवार-सोमवार को रात्रि में मनाई जाएगी। इस अवसर पर स्वांस, दे

लोक कलामंच नाचा, गम्मत साथ ही लोक कलाकारों की होगी प्रस्तुति

राजनांदरावा। मानव सेवा व जनकल्याण के लिए अंचल सहित देशभर में पहचान बना चुकी बर्षनी सेवाश्रम समिति द्वारा अपने आशीर्वादक राष्ट्रीय संत श्री श्री 1011 योगाधिपति ब्रह्मर्षि बर्षनी दादा जी के आशीर्वाद से संस्था द्वारा संचालित गर्भगृह में विराजमान मां पाताल भैरवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी दश महाविद्या द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव शक्ति सिद्धपीठ बर्षनी आश्रम परिसर में शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर रविवार-सोमवार को रात्रि में मनाई जाएगी। इस अवसर पर स्वांस, दे



व अस्थमा पीड़ितों को जड़ी बूटीयुक्त खीर प्रसाद का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक कलामंच नाचा पार्टी के द्वारा लोकगीत, नृत्य,गम्मत के अलावा लोक कलाकारों की भी प्रस्तुति रात्रि में 10 बजे से होगी। संस्था के सचिव गणेश प्रसाद शर्मा 'गवू' ने बताया कि सारे देश में मनाए जाने वाले मां भगवती

प्रज्ज्वलित किए थे। अष्टमी का हवन 18 अक्टूबर को व दुर्गा नवमी 19 अक्टूबर को कन्या पूजन, प्रसादी महा आरती , ज्योति?- ज्वारा विसर्जन , भंडारा प्रसादी के साथ ही अंचल सहित देशभर से आए माता के दर्शनार्थ लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में संपन्न होने के बाद संस्था द्वारा मानव? सेवा एवं जनकल्याण के तहत स्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को सन 1997 से दुर्लभ जड़ी बूटियां एकत्रित कर पौराणिक मान्यताओं अनुसार जड़ी बूटी युक्त खीर प्रसादी तैयार कर स्वांस, दमा व अस्थमा पीड़ितों को ब्रह्ममुहूर्त में वितरीत की जाती है। इस वर्ष भी संस्था द्वारा लगभग 30 हजार से भी अधिक पीड़ितों के लिए खीर प्रसाद तैयार करवाया जा रहा है।

शहर विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर लगी मुहर

महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में एमआईसी की महत्वपूर्ण बैठक

दुर्ग। नगर पालिक निगम। नगर पालिक निगम, दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में गुरुवार को दोपहर 3 बजे डाटा सेंटर में मेयर इन कारोर्सल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, निर्माण कार्यों, सड़क एवं नाला निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विभागवार प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय एवं स्वीकृति की कार्यवाही की गई।बैठक में महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा मंगई गाँव सित बंदुओं की जानकारी की कार्यवाही के अधिकारियों ने प्रस्तुत की। महापौर ने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावों



की जानकारी लेते हुए शहर में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया।प्रमुख सड़कों पर पोल एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए 1.95 करोड़ रुपये का प्रस्ताव,बैठक में विद्युत विभागा पर पोल निगम क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर पोल एवं प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के लिए 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत 1 करोड़ 95 लाख 84 हजार 720 रुपये का प्राकलन प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्य के लिए आवश्यक प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त

करने हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के विषय पर चर्चा की गई। -डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य,उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री की घोषणा के परिपालन में संचालनालय द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अधोसंरचना मद से 50 लाख रुपये की प्राविधिक स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में इस कार्य के स्थल परिवर्तन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। प्रस्ताव के अनुसार वार्ड क्रमांक 18 में पुलिस चौकी के

सामने स्थित चौक के पास प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। बैठक में वार्ड क्रमांक 52 स्थित बिस्तेश्वरी कॉलोनी में नाला निर्माण कार्य के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत ग्रांट मद के अंतर्गत इस कार्य के लिए आर्या कंस्ट्रक्शन, दुर्ग को कार्यदिश जारी किया गया है। वार्ड पार्षद के पत्र के आधार पर प्रस्तावित 4म4 फीट के नाले के स्थान पर 2म2 फीट की नाली निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर प्रस्ताव प्रस्तुत कर विचार किया गया। इसी प्रकार 15वें वित्त आयोग के नॉन मिलियन प्लस सिटीज के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मद में वर्ष 2025-26 तक आवंटित राशि से संबंधित विषय भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहा।बैठक में एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर,नरेंद्र बंजारे,शेखर चन्द्राकर,लीना दिनेश देवांगन,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, नीलेश अग्रवाल, मनीष साहू, लीलाधर पाल, शिव नायक, श्रीमती शशि साहू एवं श्रीमती हर्षिका संभव जैन सहित कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,मोहम्मद सलीम सिद्दीकी,प्रकाश चंद थवानी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर,पंकज साहू, दुर्गेश गुप्ता,रेवाराड मनु तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेहरू आर्ट गैलरी में छायाकार कमलेश कुमार वर्मा की एकल वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी उद्घाटित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित डॉटरा प्लेस, सिविक सेंटर स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-2 विभाग से सेवानिवृत्त छायाकार श्री कमलेश कुमार वर्मा की तीन दिवसीय एकल वन्यजीव छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन 22 अक्टूबर 2026 को संध्याकाल मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) श्री अनुगुण उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह के अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सम्पर्क), प्रशासन एवं जनसम्पर्क) श्री अमूल्य ग्रियदर्शी सहित संयंत्र के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण, भिलाई आर्ट्स क्लब के सदस्यगण, इस्पात नगरी के अन्य वरिष्ठ कलाकार एवं चित्रकला प्रेमी तथा आम नागरिक उपस्थित थे। प्रदर्शनी मुख्य अतिथि श्री अनुगुण उपाध्याय ने श्री कमलेश कुमार वर्मा खींचे गए वन्यजीवों के विविध छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इन छायाचित्रों



वन्यजीवन के विविध पक्षों को प्रस्तुत करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगंतुक पुस्तिका में अपने विचार व्यक्त करते हुए लिखा कि वन्यजीवों के प्राकृतिक परिवेश की कलात्मक अभिव्यक्ति, प्रकृति की विचित्रता और सुंदरता को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करती है। इन कृतियों में छायाकार की सूक्ष्म दृष्टि, धैर्य और विषय के प्रति गहरी पश्चात मुख्य अतिथि श्री अनुगुण उपाध्याय ने श्री कमलेश कुमार वर्मा द्वारा खींचे गए वन्यजीवों के विविध छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इन छायाचित्रों

के माध्यम से वन्यजीवों की प्राकृतिक सुंदरता, उनके व्यवहार तथा प्राकृतिक परिवेश के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया गया है। यह तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन संध्या 5.30 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आम जनता के अवलोकनार्थ खुली रहेगी। नेहरू आर्ट गैलरी में जनसंपर्क विभाग द्वारा हाल ही में शुरू की गई पहल के तहत प्रदर्शनीयों के दौरान युवा वाद्य संगीतकारों को लाइव वाद्य संगीत प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है।